04 - प्लास्टिक प्रदूषण पर नियंत्रण की दरकार

05 - तू है चिड़िया मेरे आंगन की

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 19 मार्च, 2025

06 - जिले की 226 नल-जल योजनाओं को किया रिवाइज...

07 - मुख्यमंत्री ने भोपाल में 116 करोड़ की बिल्डिंग का किया...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 189, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

बदन पे जिस के शराफ़त का पैरहन देखा
वो आदमी भी यहाँ हम ने बद-चलन देखा
ख़रीदने को जिसे कम थी दौलत-ए-दुनिया
किसी कबीर की मुट्ठी में वो रतन देखा
मुझे मिला है वहाँ अपना ही बदन ज़ख़्मी
कहीं जो तीर से घायल कोई हिरन देखा
बड़ा न छोटा कोई फ़र्क़ बस नज़र का है
सभी पे चलते समय एक सा कफ़न देखा
ज़बाँ है और बयाँ और उस का मतलब और
अजीब आज की दुनिया का व्याकरन देखा
लुटेरे डाकू भी अपने पे नाज़ करने लगे
उन्होंने आज जो संतों का आचरन देखा
जो सादगी है कुहन में हमारे ऐ 'नीरज'
किसी पे और भी क्या ऐसा बाँकपन देखा।

– गोपालदास नीरज

रंगपंचमी की शुभकामनाएं

रंगपंचमी के पावन पर्व पर 19 मार्च को 'सुबह सवेरे' कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 21 मार्च 2025 को प्रकाशित होगा। 'सुबह सवेरे' के सभी पाठकों को रंगपंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं। सं.

प्रसंगवश

बिहार : कन्हैया की पदयात्रा से कितना हासिल करेगी कांग्रेस?

समी अहमद

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में छात्र राजनीति से चर्चित हुए कन्हैया कुमार वामपंथी राजनीति में किस्मत आजमाने के बाद अब कांग्रेस के स्टार लीडर हैं। ऐसा लगता है कि पुराने नेताओं के प्रदर्शन से असंतुष्ट कांग्रेस नेतृत्व ने अब कन्हैया कुमार के सहारे बिहार में कांग्रेस को नया जीवन देने का पासा फेंका है।

ऐसे में बिहार में यह पूछा जा रहा है कि इस पदयात्रा से कांग्रेस को क्या हासिल होगा और महागठबंधन में उसकी स्थिति कितनी मजबूत होगी। कुछ लोग तो यह सवाल भी कर रहे हैं कि कांग्रेस महागठबंधन में रहेगी भी या नहीं। एक और अहम सवाल यह भी है कि जिन मुद्दों को कन्हैया कुमार उठा रहे हैं उनसे एनडीए कितना असहज होगा।

कन्हैया कुमार इस समय कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी हैं। रविवार को शुरू हुई इस पदयात्रा का नाम बहुत सोच समझकर 'पलायन रोको, नौकरी दो' रखा गया है। इस पदयात्रा में युवक कांग्रेस भी शामिल है। यह पदयात्रा अपने पहले चरण में 6 जिलों से होते हुए 22 मार्च को पटना के कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम पहुंचेगी।

पदयात्रा के बारे में कन्हैया कुमार ने जो बातें की हैं उससे साफ तौर पर यह लगता है कि इसका मकसद युवाओं से सीधा संवाद स्थापित करना है। हालांकि वह आपराधिक वारदातों की भी चर्चा कर रहे हैं लेकिन उनका फोकस इस बात पर है कि बिहार में रोजगार की कमी है और युवा इसकी वजह से पलायन को मजबूर हैं।

एक समय में कन्हैया कुमार की युवाओं में काफी लोकप्रियता थी और कांग्रेस की कोशिश यह लग रही है कि उस लोकप्रियता के सहारे अपने खोए जनाधार को दोबारा हासिल करे और उसकी शुरुआत युवाओं से हो। इसीलिए कन्हैया कुमार यह कह रहे हैं कि जब आप बिहार का भविष्य तय कर रहे हों तो अपने बच्चों के बारे में सोचें। उन्होंने युवाओं के मुद्दे पर खास जोर दिया।

बिहार में नीतीश कुमार बार-बार नौकरी देने का दावा करते हैं और उनकी पार्टी का नारा भी है 'रोजगार मतलब नीतीश सरकार।' लेकिन दूसरी और हकीकत यह है की होली और छठ के अवसरों पर बिहार की ट्रेनों में इतनी भीड़ रहती है की स्पेशल ट्रेनें चलाने के बावजूद लोग शौचालयों में सफर करने को मजबूर होते हैं। यह वही लोग होते हैं जो दूसरे राज्यों में छोटी-मोटी नौकरियों के लिए जाने को मजबूर होते हैं। कन्हैया कुमार अभी इसके बारे में और विस्तार से चर्चा कर सकते हैं और नीतीश सरकार पर हमलावर हो सकते हैं।

ऐसा लगता है कि पलायन और रोजगार के मुद्दे पर निकाली गई इस पदयात्रा का असर एनडीए पर हो रहा है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यक्रम अध्यक्ष संजय झा ने कन्हैया की पदयात्रा के दिन ही यह आरोप लगाया कि सारा पलायन राजद और कांग्रेस की सरकार में हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि अखबारों ने भी कन्हैया की पदयात्रा और संजय झा के इस बयान को आसपास जगह दी है।

अभी भारतीय जनता पार्टी की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि कांग्रेस के मजबूत होने का मतलब होगा भाजपा के कोर वोटर्स यानी सवर्ण मतदाताओं में सेंध लगाना। बिहार में एक जमाने में कांग्रेस पार्टी सवर्णों की स्वाभाविक पार्टी मानी जाती थी।

ध्यान रहे कि इससे पहले कांग्रेस की ओर से जनसंपर्क का एक बड़ा अभियान सीमित तौर पर राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान देखा गया था। कांग्रेस की राजनीति पर नजर रखने वालों का कहना है कि कन्हैया की इस पदयात्रा से उसका जनसंपर्क और युवाओं से संवाद बढ़ेगा जिसका उसे लाभ मिल सकता है। कन्हैया कुमार ने बेगूसराय से सीपीआई के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था और उस चुनाव में आरजेडी ने भी अपना उम्मीदवार दिया था क्यूंकि दोनों पार्टियों में इस मुद्दे पर समझौता नहीं हो पाया था। इस चुनाव में हार के बाद कन्हैया कुमार की चर्चा कम हो गई थी। उस समय से ही यह चर्चा चल रही है कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनके पुत्र तेजस्वी यादव कन्हैया कुमार की सक्रियता से बहुत सहज नहीं हैं।

चूंकि एक बार फिर कन्हैया कुमार बिहार की राजनीति में सक्रिय हुए हैं तो लोग यह सवाल पूछ रहे हैं कि इसका महागठबंधन पर क्या असर होगा। कहीं कांग्रेस पार्टी दिल्ली की तरह अलग चुनाव लड़ने का तो फैसला नहीं करेगी?

हालांकि कांग्रेस और राजद के नेता महागठबंधन को मजबूत करने की बात ही कर रहे हैं लेकिन मामला विधानसभा में कांग्रेस को कितनी सीटें मिलें, इस पर उलझ सकता है। 2020 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन ने कांग्रेस को 70 सीटें दी थीं, लेकिन कांग्रेस सिर्फ 19 सीटों पर जीत पाई थी। तब यह कहा गया था कि तेजस्वी यादव कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के कारण मुख्यमंत्री बनते बनते रह गए। दूसरी ओर वामपंथी दलों का प्रदर्शन कांग्रेस से कहीं बेहतर था और खासकर सीपीआई-एमएल ने बेहतरीन स्ट्राइक रेट दी थी।

ऐसे में कांग्रेस एक तरफ अपने लिए कम से कम 70 या उससे अधिक सीट की मांग करेगी तो दूसरी ओर राजद के लिए वामपंथी दलों की सीट बढ़ाने का भी दबाव होगा। अभी तक महागठबंधन में शामिल मानी जा रही 'विकासशील इंसान पार्टी' के मुकेश सहनी भी अपने लिए 60 सीटों की मांग कर चुके हैं। अगर मुकेश सहनी को भी कुछ सीटें दी जाएं तो महागठबंधन में रहते हुए राजद को या तो अपनी या कांग्रेस की सीटें कम करनी पड़ेंगी।

फिलहाल कांग्रेस का एक खेमा हर हाल में अधिक सीटों की मांग कर रहा है और ऐसा लगता है कि वह इस बात के लिए भी तैयार है कि अगर महागठबंधन को छोड़ना पड़े तो कांग्रेस छोड़ दे। दूसरी तरफ कांग्रेस का ही एक वर्ग ऐसा भी है जो हर हाल में राजद के साथ गठबंधन बनाए रखना चाहता है, क्योंकि उसे लगता है कि राजद से अलग हटकर भारतीय जनता पार्टी और नीतीश कुमार को हराना संभव नहीं है।

ऐसे में कांग्रेस के पास दो विकल्प हैं; या तो वह अपनी मजबूती के लिए महागठबंधन को छोड़े या भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में दोबारा आने से रोकने के लिए महागठबंधन में बनी रहे। फिलहाल लगभग सब लोग यह मानते हैं कि बिहार में कोई पार्टी अकेले अपने दम पर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में राजद भी नहीं चाहेगा कि कांग्रेस महागठबंधन से अलग हो लेकिन कन्हैया कुमार की पदयात्रा से उत्साहित होकर अगर कांग्रेस ज्यादा सीटें मांगेगी तो लालू प्रसाद और तेजस्वी लिए समन्वय बनाना बहुत मुश्किल हो सकता है।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

पीएम मोदी ने 1857 की क्रांति से की महाकुंभ की तुलना

प्रधानमंत्री बोले- सवाल उठाने वाले लोगों को जवाब मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के आयोजन की संसद में सराहना की और कहा कि इससे देश की एकता का संदेश मिला है। यही नहीं उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत के इतिहास में ऐसा ही क्षण था, जैसा 1857 की क्रांति, भगत सिंह का बलिदान और गांधी का डांडी मार्च था। इन घटनाओं ने देश को एक नया मोड़ दिया और ऐसा ही महाकुंभ के विशाल आयोजन से भी हुआ है। पीएम मोदी ने कहा, 'मैं यूपी और खासतौर पर प्रयाग की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। गंगाजी को धरती पर लाने के लिए भगीरथ प्रयास हुआ था। ऐसा ही

महाप्रयास महाकुंभ के भव्य आयोजन में भी हमने देखा है। मैंने लालकिले से सबका प्रयास पर जोर दिया था। पूरे विश्व ने भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है।' उन्होंने कहा कि महाकुंभ ने उन शंकाओं को भी जवाब दिया है, जो कुछ लोगों के मन में रहती है। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर हमने देखा था कि कैसे देश अगले एक हजार साल के लिए तैयार हो रहा है। फिर इस बात को हमने महाकुंभ में देखा। किसी भी राष्ट्र के जीवन में अनेक ऐसे मोड़ आते हैं, जो सदियों के लिए उदाहरण बन जाते हैं।

हर भाषा के लोग संगम पर बोले- हर हर गंगे और लगाई डुबकी

लोकसभा में पीएम ने कहा कि यह विश्वास होता है कि हम एक देश के रूप में बड़े लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। यहां पहुंचे लोग अहं त्याग कर वयं के भाव में आ गए। मैं नहीं हम के भाव में आए। अलग-अलग राज्यों से आए लोग त्रिवेणी का हिस्सा बने। जब करोड़ों लोग राष्ट्रीयता के भाव को मजबूती देते हैं तो देश की एकता बढ़ती है। जब हर भाषा के लोग संगम तट पर हर हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो एकता की भावना बढ़ती है। हमने देखा कि वहां छोटे-बड़े का कोई भेद नहीं था। यह भारत का बहुत बड़ा सामर्थ्य है। एकता की यही भावना भारतीयों का सौभाग्य है। आज पूरे विश्व में बिखराव की स्थिति है और ऐसे में हमारी एकजुटता बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि हमें कुंभ से प्रेरणा लेते हुए नदी उत्सव के कार्यक्रम को नया स्वरूप देना होगा। इससे नई पीढ़ी को जल और नदी का महत्व समझ आएगा। नदियों की साफ-सफाई के लिए लोगों को प्रेरणा मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने जिनकी मृत्यु हुई उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी

पीएम मोदी के दिए बयान पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ को भारत के इतिहास में अहम मोड़ करार दिया। पीएम ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि दुनिया ने देश के विराट स्वरूप को देखा और यह सबका प्रयास का साक्षात स्वरूप था। उनके इस बयान पर विपक्ष ने पलटवार किया। राहुल गांधी ने जहां पीएम के भगदड़ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि नहीं देने पर सवाल उठाए तो वहीं, प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष को भी बोलने का मौका दिया जाना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए भाषण पर कहा, मैं प्रधानमंत्री की बात का समर्थन करना चाहता था। कुंभ हमारी परंपरा है, संस्कृति है, इतिहास है। एक शिकायत थी कि प्रधानमंत्री ने जिनकी मृत्यु हुई उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी। जो युवा कुंभ में गए उन्हें प्रधानमंत्री से रोजगार चाहिए और प्रधानमंत्री को उस पर भी बोलना चाहिए था।

देश में गर्मी, बारिश और बर्फबारी तीनों एक साथ

● ओडिशा का बौध लगातार तीसरे दिन देश में सबसे गर्म ● हिमाचल में बारिश और बर्फबारी से बदल गया मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में तेज गर्मी का प्रकोप बना हुआ है। यहां लगातार तीसरे दिन बौध जिला देश में सबसे गर्म रहा। जिले का अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य का बरगढ़ जिला 42 डिग्री के साथ दूसरे और आंध्र प्रदेश का कुर्नूल 41.3 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ तीसरे नंबर पर रहा। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के नौ जिलों का तापमान 39 से 40 डिग्री के बीच रहा। मंगलवार को भी राज्य में गर्मी कम होने के आसार नहीं हैं। इसके चलते मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। हालांकि, कुछ इलाकों में हल्की बारिश की

संभावना है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी का मौसम बना हुआ है। 1 मार्च से 17 मार्च तक प्रदेश में 75.6 मिमी बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग ने बताया कि आज राज्य में बारिश की संभावना नहीं है। बुधवार से बारिश का दौर फिर शुरू होगा। रविवार शाम से राज्य के कल्पा में 17.9 सेमी, सांगला में 8.6 सेमी और गोंडला में 1 सेमी बर्फबारी हुई। मंडी जिले के कुछ हिस्सों में कोहरे की वजह से विजिबिलिटी 800 मीटर तक कम हो गई। लाहौल-स्पीति का केलॉन्ग राज्य में सबसे ठंडा रहा। यहां का न्यूनतम तापमान -5.1 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, धौलाकुआं सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस रहा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस से हुई बारिश-ओलावृष्टि और उत्तर भारत से चली हवा से राजस्थान में एक बार फिर से सुबह-शाम की हल्की ठंड हो गई। मौसम विशेषज्ञों ने राज्य में अगले दो दिन इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

श्रीकृष्ण ने जहां की लीलाएं और जहां पड़े उनके चरण

ओंकारेश्वर लोक का किया जायेगा विकास

सभी देवस्थानों को तीर्थ के रूप में करेंगे विकसित: मुख्यमंत्री

भोपाल/ओंकारेश्वर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को ओंकारेश्वर में अवधूत सिद्ध महायोगी श्री दादा गुरुजी की तृतीय चरण माँ नर्मदा सेवा परिक्रमा यात्रा के समापन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने ओंकारेश्वर स्थित गौमुख घाट पर माँ नर्मदा का मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया। यह यात्रा माँ नर्मदा, धर्म, धरा, धेनु, प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन के लिए पूर्ण समर्पित थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि 'यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे' जो-जो इस ब्रह्माण्ड में है वही सब हमारे शरीर में भी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह परमात्मा हमारे अंदर विद्यमान है, उसी तरह जल माँ नर्मदा में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि श्री दादा गुरुजी की तृतीय चरण माँ नर्मदा सेवा यात्रा का समापन हुआ है। यह एक अद्भुत यात्रा थी। उन्होंने श्री दादा गुरुजी को प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम इस मृत्यु लोक में अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इस लोक में हमारे कर्म ही होते हैं जो हमें विभिन्न लक्ष्यों तक पहुँचाते हैं। सब अपने कर्मों के अनुसार पुण्य अर्जित करते हैं। इसलिए हम सबको सत्कर्म करने का प्रण लेना चाहिए।

ओंकारेश्वर धाम भी महाकाल की तरह जगमगाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश के सभी धर्म स्थलों के प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सौभाग्य का विषय है कि हमारे प्रदेश में महाकालेश्वर और ममलेश्वर दो ज्योतिर्लिंग विद्यमान हैं। सिंहस्थ से पहले ओंकारेश्वर धाम को महाकाल की तरह जगमगाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थाओं के प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार की योजनाओं से आस्था के इन केंद्रों की दिव्यता- भव्यता और अधिक बढ़ेगी तथा प्रदेश के प्रति लोगों के आकर्षण और प्रेम में भी वृद्धि होगी । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओंकारेश्वर स्थित गौमुख घाट पर अवधूत सिद्ध महायोगी श्री दादा गुरुजी की तृतीय चरण माँ नर्मदा सेवा परिक्रमा यात्रा के समापन कार्यक्रम के लिए भोपाल से प्रस्थान के पहले मीडिया के लिए जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

धर्म के मार्ग से कर सकते हैं प्रकृति का संरक्षण : आचार्य विनम्र सागर जी

विक्रमोत्सव

डॉ. जफर महमूद

उज्जैन से

हमारे धर्म में पर्यावरण संरक्षण का मूलमंत्र 'अहिंसा' है। यह सिद्धांत न केवल जीवित प्राणियों के प्रति, बल्कि अग्नि, जल, वायु आदि प्राकृतिक तत्वों के प्रति भी लागू होता है। हमारे धार्मिक ग्रंथों में इन तत्वों के साथ छेड़छाड़ करना महापाप माना गया है। धर्म के मार्ग पर चलकर प्रकृति का संरक्षण कर सकते हैं। आचार्य श्री विनम्र सागर जी महाराज ने जल संवर्धन एवं पर्यावरण जागृति विषय पर प्रवचन के दौरान कही। उन्होंने कहा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जैन धर्म की प्रतिबद्धता को सबके सामने रखा।

कार्यक्रम संयोजक सचिन कासलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम *– महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के कार्यालय में संपन्न हुआ। इस मौके पर आचार्य श्री विनम्र सागर जी महाराज ने ने विक्रमोत्सव अंतर्गत प्रदर्शित की गई भारतीय ऋषि परंपरा पर केंद्रित प्रदर्शनी आर्ष भारत एवं विक्रमादित्यकालीन सिक्के एवं औजारों की प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई नंदलाल यादव एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के पदाधिकारी व अतिथियों द्वारा आचार्य श्री संघ का स्वागत किया अभिनंदन किया।*

विद्यासागर पाठशाला की बच्चियों ने विशेष नृत्य की प्रस्तुति दी। समाजसेवी नरेश शर्मा, कार्य परिषद सदस्य राजेश सिंह कुशवाह, कवि दिनेश दिग्गज, कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज, डॉ अजय शर्मा, डॉ सचिन राय ने स्वागत किया। आचार्य श्री के पाठ प्रक्षालन सुनील जैन,सुबोध ममता जैन, डीआर पीसी जैन, सुशील लुहाडिया,मनोज जैन, अशोक जैन चायवाला,देवेंद्र सिंघाई, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कासल,कमल मोदी, प्रदीप पांडेया,धर्मेंद्र सेठी, अनिल गंगवाल, नितिन दोषी, प्रदीप झंझरी,अश्विन कासलीवाल विशेष रूप से उपस्थित थे।संचालन कवि दिनेश दिग्गज ने किया। आभार डॉ रमन सोलंकी ने माना। कार्यक्रम में सभी दिगंबर जैन मंदिरों के अध्यक्ष सचिव और कार्यकर्ताओं द्वारा श्रीफल भेंट किया गया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c | न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार,19 मार्च 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

धार्मिक आयोजनों की आड़ में नहीं छिप सकेंगे अपराधी : डीजीपी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने कहा है कि प्रदेश में होने वाले धार्मिक आयोजनों पर कड़ी नजर रखी जाए। डीजीपी ने इसके निर्देश सभी जिलों के पुलिस कप्तानों, पुलिस कमिश्नर और सभी जोन व रेंज के अधिकारियों को भेजे हैं। उन्होंने कहा है कि पिछले अनुभवों और जांच के आधार पर यह निर्देश जारी किए गए हैं। कुछ शातिर अपराधी अपराध करने के बाद धार्मिक आयोजनों की आड़ में अपनी गिरफ्तारी से बचने की कोशिश करते हैं। डीजीपी ने शामली में मुस्तफा उर्फकग्गा गैंग के सदस्य अरशद के साथ हुई मुठभेड़ का जिक्र किया, जिसमें निरीक्षक सुनील कुमार शहीद हो गए थे। इस घटना की जांच में सामने आया था कि अपराधियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद धार्मिक आयोजनों का सहारा लेकर अपनी पहचान छिपाने और गिरफ्तारी से बचने की कोशिश की थी। डीजीपी ने सभी पुलिस अधिकारियों को सतर्कता बरतने के लिए कहा है।

डॉ.सुधीर सक्सेना को अंबादत्त भारतीय स्मृति राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान

सीहोर। प्रदेश के लब्ध प्रतिष्ठित पत्रकार स्व. अंबादत्त भारतीय की स्मृति में हर साल सम्मानित किए जाने वाले चयनित पत्रकारों के नामों की घोषणा चयन समिति ने की है।

अंबादत्त भारतीय स्मृति पत्रकारिता संग्रहालय एवं शोध संस्थान के अध्यक्ष रघुवर दयाल गोहिया ने बताया कि चयन समिति ने सर्वसम्मति से राष्ट्रीय सम्मान के लिए भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुधीर सक्सेना, राज्य स्तरीय सम्मान के लिए वरिष्ठ पत्रकार कैलाश गौर इंदौर तथा जिला स्तरीय सम्मान के लिए भैरूंदा की वरिष्ठ पत्रकार डॉ. पुष्पा शर्मा के नाम का चयन किया है। इस वर्ष स्व. अंबादत्त भारतीयजी की 75वीं जन्म जयंती 22 मार्च को है, जिसे जिले भर के पत्रकार साथी उत्साह के साथ मनाएंगे। प्रमुख आयोजन सम्मान समारोह क्रिसेंट रिसॉर्ट के सभागार में होगा। इस वर्ष का सम्मान समारोह जिला प्रेस क्लब सीहोर के सौजन्य से किया जा रहा है।

श्रीलंका के चक्कर में अपना नुकसान करा बैठा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के बाहरी कर्ज को फिर से व्यवस्थित करने की वजह से चीन को 7 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। मंगलवार को यह जानकारी सामने आई। चीन के सरकारी अखबार 'डेली न्यूज' ने कोलंबो में चीन के राजदूत क्यूई झेनहोंग के हवाले से यह जानकारी दी गई है। राजदूत ने बताया कि चीन, श्रीलंका के साथ अक्टूबर 2023 में कर्ज पुनर्गठन समझौता करने वाला पहला देश था। क्यूई झेनहोंग ने कहा कि ज्यादातर लोगों को इस बारे में पता नहीं है। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि हम श्रीलंका को अपनी

सहायता के बारे में दुनिया को बहुत ज्यादा नहीं बताते हैं। इसका मतलब है कि चीन ने श्रीलंका की मदद चुपचाप की है, इसलिए लोगों को इसकी जानकारी नहीं है। श्रीलंका ने 2022 में आर्थिक संकट के दौरान पहली बार अपना कर्ज चुकाने में असमर्थता जताई थी। इसके बाद उसने 46 अरब डॉलर के बाहरी कर्ज को फिर से व्यवस्थित किया। आसान भाषा में कहें तो श्रीलंका के ऊपर दूसरे देशों और संस्थाओं का जो कर्ज था। उसे चुकाने में दिक्कत आ रही थी।

सीजफायर के बीच गाजा में इजराइली हमले फिर शुरू

- एयरस्ट्राइक में 300 से ज्यादा की लोगों की मौत, कई घायल

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने गाजा में फिर से हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेस के मुताबिक वायुसेना ने गाजा में हमास के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। अल जजीरा के मुताबिक इन हमलों में अब तक 326 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं सैकड़ों घायल हैं। 19 जनवरी को इजराइल-हमास में शुरू हुए सीजफायर के बाद इजराइल का गाजा में यह सबसे बड़ा हमला है। इजराइली सेना का कहना है कि वह हमले की योजना बना रहे आतंकवादियों को निशाना बना रही है। इजराइल ने पिछले दो हफ्तों से गाजा में भोजन, दवाइयों, ईंधन और अन्य सप्लाई को रोक दिया है और मांग की है कि हमास सीजफायर समझौते में बदलाव स्वीकार करे।

वक्फ संशोधन विधेयक ईद के बाद संसद में होगा पेश

- 4 अप्रैल तक चलना है बजट सत्र, ओवैसी बोले-वक्फ संशोधन बिल से मस्जिदों पर खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल ईद के बाद मौजूदा बजट सत्र में पेश किया जा सकता है। ये सत्र 4 अप्रैल तक चलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार का कहना है कि ईद के बाद इस बिल को संसद में चर्चा के लिए लाया जाएगा। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 21 मार्च को लोकसभा में गिलोटिन लाया जाएगा। जिससे बिना चर्चा के बचे हुए मंत्रालयों की अनुदान मांगों को पारित किया जा सके।

इसके बाद वित्त विधेयक पारित कराया जाएगा। इधर, सोमवार को वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। इसमें एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए। ओवैसी ने कहा- हम इस बिल का विरोध करते हैं। बिल में प्रावधान है कि कल कोई यह कहता है कि यह मस्जिद नहीं है और कलेक्टर जांच बैठा देते हैं तो जांच पूरी होने तक मस्जिद हमारी संपत्ति नहीं होगी। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 का मकसद डिजिटलीकरण, बेहतर ऑडिट, बेहतर पारदर्शिता और अवैध रूप से कब्जे वाली संपत्तियों को वापस लेने के लिए कानूनी सिस्टम में सुधारों को लाकर इन चुनौतियों को हल करना है।

बड़वानी में टमाटर की कीमतों ने किसानों को रुलाया

2 रुपए किलो में भी नहीं मिल रहे खरीदार ; खेतों में सड़ रही फसल

बड़वानी (नप्र)। बड़वानी में टमाटर की कीमतों में आई भारी गिरावट से किसान परेशानी में हैं। स्थानीय बाजार में टमाटर 10 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, जबकि थोक में इसकी कीमत महज 2 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है।

किसानों ने इस बार बड़े पैमाने पर टमाटर की खेती की थी। कम कीमत मिलने के कारण कई किसान अपनी फसल को खेतों में ही सड़ने के लिए छोड़ रहे हैं या फिर पशुओं को खिला रहे हैं। व्यापारी भी टमाटर खरीदने के लिए गांवों तक नहीं पहुंच रहे हैं।

किसानों ने बताई अपनी समस्या- किसान दीपक गेहलोद ने बताया कि उन्होंने 8 एकड़ में टमाटर की खेती की है। प्रति एकड़ एक लाख रुपए का खर्च आया है। इसमें बीज, धागा, पाइप, मल्चिंग शीट, उर्वरक और कीटनाशक शामिल हैं। टमाटर की फसल 3 महीने में तैयार होती है और 7 महीने तक तुड़ाई की जा सकती है।

दिसंबर से लगातार टमाटर के दाम गिर रहे हैं। किसानों को मजदूरी और परिवहन का खर्च भी नहीं निकल पा रहा है। स्थानीय किसानों का कहना है कि जब बाहर से टमाटर आता था, तब दाम अधिक थे। अब जब स्थानीय आवक बढ़ी है, तो दाम गिर गए हैं। इस स्थिति से छोटे और बड़े, सभी किसान प्रभावित हैं।

बाजार में स्थानीय टमाटर की आवक इतनी अधिक है कि बाहर से टमाटर आना बंद हो गया है। कर्ज लेकर खेती करने वाले किसानों के सामने अब कर्ज चुकाने की चिंता खड़ी हो गई है। बाजार में हर रोज अच्छी क्वॉलिटी का क्विंटलों से टमाटर आ रहा है, लेकिन किसानों को सही दाम नहीं मिल रहा है। जिला सहित आसपास के क्षेत्र में भी टमाटर का उत्पादन अधिक होने से दाम गिर गया है।

एक रुपए किलो बेची उपज- किसान नवीन यादव ने बताया कि 3 एकड़ में टमाटर की खेती की थी। टमाटर की खेती करने से मुझे बहुत नुकसान हुआ है। खेरची में 10 रुपए से अधिक प्रतिकिलो बिक रहा है। थोक में मैंने एक रुपए किलो बेचे। थोक में दाम गिर रहे है।

मौसम ने साथ दिया भाव ने नहीं

सेगांव के किसान संतोष का कहना है कि इस बार मौसम ने किसानों का साथ दिया है, यही कारण है कि सब्जी की अच्छी पैदावार है। इस बार मौसम ने साथ दिया है, लेकिन भाव ने नहीं दिया। इस बार बेमौसम बारिश नहीं हुई है। फसलों को नुकसान नहीं हुआ, जिसके कारण टमाटर सहित अन्य सब्जियों का अच्छा उत्पादन रहा। यही कारण है कि बाजार में लोकल सब्जियों की आवक बढ़ गई है।

उन्होंने बताया कि 4 एकड़ में टमाटर की फसल लगाई है। जिसमें करीब 5 लाख रुपए तक का खर्चा आया था। ढाई लाख रुपए का नुकसान हुआ है। बाजार में टमाटर के दाम कम होने से फायदा नहीं पहुंचा। थोक में टमाटर दो से ढाई रुपए प्रतिकिलो बिके। टमाटर के भाव में उठाव नहीं आ रहा है।

राम मंदिर में राम के दरबार का सिंहासन बनकर तैयार

- मकराना के सफेद पत्थर से बना गर्भगृह,14 मंदिरों में स्थापना 30 अप्रैल को

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामनवमी से पहले ट्रस्ट ने भव्य राम मंदिर की 8 नई तस्वीरें जारी की हैं। इसमें फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना के लिए सफेद संगमरमर का सिंहासन बनकर तैयार हो गया है। ग्राउंड फ्लोर की ही तरह फर्स्ट फ्लोर पर सिंहासन बनाया गया है। गर्भगृह में भव्य नक्काशी की गई है। सामने मंडपम बनाया गया है। इसके खंभों में भी नक्काशी की गई है, जोकि जयपुर के पिंक सैंड स्टोन से बनाया गया है। राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के अलावा 14 और मंदिर बन रहे हैं। इनमें मूर्तियों की स्थापना के लिए अभी शुभ तिथि 30 अप्रैल (अक्षय तृतीया) और प्राण प्रतिष्ठा 5 जून (गंगा दशहरा) को तय हुई है। हालांकि, ट्रस्ट की मुहर लगना अभी बाकी है। राम दरबार की सभी मूर्तियां राजस्थान के जयपुर में तैयार हो रही हैं। 30 अप्रैल से पहले सभी मूर्तियां यहां पहुंच जाएंगी। राम मंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना की जानी है, जबकि परकोटे में 6 मंदिर बन रहे हैं। इनमें भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा की मूर्ति स्थापित होंगी। इसके अलावा, सप्त मंडपम में 7 मंदिर बन रहे हैं। इनमें महर्षि वाल्मीकि,विश्वामित्र, अगस्त्य, महर्षि वशिष्ठ, निषादराज, अहिल्या और शबरी की मूर्ति स्थापित होंगी।

हथियार बंद दंगाई, चुनिंदा घरों को किया गया टारगेट

- देवेंद्र फडणवीस ने बताया क्यों और कैसे भड़की नागपुर में हिंसा
- सीएम ने कहा-छावा फिल्म ने औरंगजेब के खिलाफ बढ़ाया गुस्सा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर हिंसा पर विधानसभा में बात की। उन्होंने कहा कि नागपुर की हिंसा एक सोची-समझी साजिश लग रही है। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून हाथ में लेन की इजाजत नहीं है। फडणवीस ने यह भी कहा कि पुलिस पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कुछ खास घरों और दुकानों को ही निशाना बनाया गया। फडणवीस ने उन बातों का भी जिक्र किया, जिससे साफ है कि नागपुर हिंसा एक साजिश थी। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने राज्य की शीतकालीन राजधानी में विरोध प्रदर्शन किया। जान बूझकर कुछ लोगों ने अफवाहें फैलाई गईं कि धार्मिक चीजें जलाई गईं। यह एक सोची-समझी साजिश लगती है। नागपुर हिंसा में पुलिसकर्मियों को लगी चोटों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि तीन पुलिस उपायुक्त घायल हुए हैं। एक डीसीपी पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया।

हाईकोर्ट ने खारिज की एमईआईएल के खिलाफ याचिका

मुंबई। मुंबई हाईकोर्ट ने एमईआईएल के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति भारती डांगरे की पीठ ने यह फैसला सुनाया।

हैदराबाद के रवि प्रकाश ने बोरीवली-ठाणे ट्विन टनल प्रोजेक्ट में एमईआईएल की बैंक गारंटी को अवैध बताते हुए याचिका दायर की थी। एमएमआरडीए की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि गारंटी को एसबीआई और महाराष्ट्र स्टेट बैंक ने प्रमाणित किया था।

एमईआईएल के वकीलों मुकुल रोहतगी और दारियस खंबाटा ने कहा कि याचिका व्यक्तिगत द्वेष से प्रेरित थी। याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने सोशल मीडिया पोस्ट को अत्यधिक उत्साह में किया गया बताया। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी, जिससे प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने की अनुमति मिल गई।

10 साल के बाद फुरफुरा शरीफ पहुंचीं ममता बनर्जी

2026 विधानसभा चुनाव से पहले शुरू किया खेला

मुस्लिम वोटों पर है नजर, बीजेपी का दिखा रहीं डर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी सोमवार को एक दशक बाद हुगली जिले के फुरफुरा शरीफ पहुंचीं। उन्होंने फुरफुरा शरीफ के मौलवियों के साथ मीटिंग की और इफ्तार दावत में शामिल हुईं। रमजान के महीने में उनकी इस धार्मिक यात्रा पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। बीजेपी के नेता सुवेंदु अधिकारी ने इसे दीदी का चुनावी अनुष्ठान बताया। कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने तंज कसते हुए कहा कि ममता बनर्जी की यह यात्रा अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए मुस्लिम समुदाय का समर्थन हासिल करने की एक राजनीतिक चाल है। सीपीएम नेता सुजान चक्रवर्ती ने दावा किया कि ममता बनर्जी चुनावों से पहले मुस्लिम समुदाय का नब्ज टटोलने फुरफुरा शरीफ गई थीं। आलोचनाओं पर हैरानी जताते हुए ममता बनर्जी ने विपक्ष से ही सवाल पूछ लिए। उन्होंने कहा कि जब मैं काशी विश्वनाथ मंदिर या पुष्कर जाती हूं तो आप यह सवाल क्यों नहीं पूछते। जब मैं दुर्गा पूजा और काली पूजा करती हूं या क्रिसमस समारोह में भाग लेती हूं तो आप चुप क्यों रहते हैं।

पीएम बनने के बाद पहली बार संघ मुख्यालय जा रहे मोदी

संघम शरणम् गच्छामि...

- 30 मार्च को होगा दौरा,आरएसएस प्रमुख से करेंगे मुलाकात
- भाजपा अध्यक्ष के चुनाव पर भी संघ से हो सकती है चर्चा

आठ वर्ष की आयु से आरएसएस से जुड़े हैं मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मुख्यालय जाएंगे। 30 मार्च को प्रधानमंत्री के दौरे से पहले सोमवार, 17 मार्च को नागपुर में हंगामा मच गया। वहां क्रूर मुगल शासक औरंगजेब की तस्वीर जला रहे हिंदू संगठनों के ऊपर हमला हुआ और जमकर उत्पात मचाया गया। हंगामे के 11 दिन बाद प्रधानमंत्री मोदी नागपुर में होंगे। बड़ी बात यह है कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार आरएसएस मुख्यालय जा रहे हैं। नरेंद्र मोदी आठ वर्ष की उम्र में ही आरएसएस से जुड़ गए थे। वो संघ में विभिन्न

पदों पर काम किया और प्रचारक भी रहे। प्रधानमंत्री मोदी 30 मार्च को नागपुर में आरएसएस समर्थित पहल माधव नेत्रालय की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात होने की संभावना है। इस मुलाकात में भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर चर्चा हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी आरएसएस के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देंगे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों के बीच संबंधों को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) बहुमत के लिए जरूरी 272 सीटें नहीं ला सकी तो आरएसएस से उसकी अनबन की बातें सार्वजनिक हो गईं।

हार मिली तो बदली रणनीति और बदल गए सभी चुनावी परिणाम

परिणाम यह हुआ कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव की अगुवाई में विपक्ष मतदाताओं को जब यह समझाने में जुट गया तीसरी बार मोदी सरकार बन गई तो संविधान बदलकर आरक्षण खत्म कर देगी तब उन्हें कोई समझाने वाला नहीं था कि इन बातों में कोई दम नहीं है। बीजेपी को खामियाजा भुगतना पड़ा और पार्टी 240 सीटों पर सिमट गई। और यह तिलिस्म टूट गया कि मोदी हैं तो सब मुमकिन है। पार्टी को अपनी गलती का अहसास हुआ और आरएसएस की कीमत फिर से समझ आ गई। बस क्या था, दोनों फिर एक-दूसरे के करीब आने लगे। फिर विधानसभा चुनावों के परिणाम आए और सब कुछ बदल गया। बीजेपी को हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में असंभव सी लगने वाली जीत हासिल हो गई।

25 साल की युवती ने किया सुसाइड

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ऐशबाग थाना क्षेत्र में 25 साल की युवती ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। युवती प्राइवेट जॉब करती थी। वह अपने घर में अकेली थी।

पुलिस के अनुसार, युवती का नाम हेमा राजपूत है। उसने पंखे से लटककर

आत्महत्या की है, लेकिन मौत का सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना की सूचना मकान मालिक ने सोमवार दोपहर करीब 1 बजे पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से निकाला और परिजनों को सूचित किया। शव का मंगलवार को पोस्टमॉर्ट्म करने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है।

पुलिस ने मौके से एक मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि, अभी तक आत्महत्या का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। मामले की गहन जांच चल रही है और संबंधित तथ्यों का पता लगाया जा रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि, जब युवती ने फांसी लगाई। तब उसका पति दिल्ली गया हुआ था।

मस्जिद के बाहर से बाइक चोरी

नमाज पढ़ने आया था युवक, सीसीटीवी फुटेज आया सामने

भोपाल (नप्र)। कोतवाली थाना क्षेत्र के इमामबाड़ा इलाके में एक युवक की बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि यह घटना उस वक्त हुई जब फरियादी मृतजा मलिक (26 वर्ष) मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे। घटना 16 मार्च की सुबह करीब 1 बजे की है। मुर्तजा ने अपनी टीवीएस स्पोर्ट्स बाइक मस्जिद के बाहर खड़ी कर लॉक किया और नमाज अदा करने चले गए। जब वह करीब आधे घंटे बाद बाहर आए तो उनकी बाइक वहां से गायब थी।

बाद में इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिनमें तीन युवक बाइक का लॉक तोड़कर उसे ले जाते हुए नजर आए। पुलिस ने फुटेज के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। फरियादी ने पुलिस से जल्द कार्रवाई कर बाइक बरामद करने और आरोपियों को पकड़ने की मांग की है। कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान कर तलाश की जा रही है।

एम्स भोपाल में जरूरतमंदों को मिला भोजन

भोपाल (नप्र)। भोपाल में जन संवेदना संस्था ने मंगलवार को साकेत नगर एम्स के गेट नंबर 3 के सामने जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट वितरित किए। यह सेवा कार्य एच पी हर्णे, गौरव मारवाहा, डॉ. गोपाल वर्तनी और जागृति सक्सेना के परिवारों ने अपने स्वजनों की

स्मृति में किया गया।

अन्नपूर्णा चलित भोजन सेवा के पहुंचते ही मरीजों के परिजन गेट नंबर 3 पर कतार में खड़े हो गए। सभी ने सम्मानपूर्वक भोजन ग्रहण किया।

बता दें कि जन संवेदना संस्था निराश्रित और बेसहारा लोगों की सेवा में कार्यरत है। संस्था लावारिस लोगों की मृत्यु होने पर उनका विधिवत अंतिम संस्कार भी करवाती है। पिछले 20 वर्षों में संस्था ने 9500 से अधिक लोगों का अंतिम संस्कार किया है। पिछले 24 घंटों में ही दो अज्ञात शवों का विश्राम घाट पर अंतिम संस्कार कराया गया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 'पोषण भी पढ़ाई भी' पर राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला को सम्बोधित किया।

भोपाल मेयर ने पूछा- मवेशियों की एम्बुलेंस कहां है?

अपर आयुक्त की लगाई क्लास; 'महापौर हेल्पलाइन' की समीक्षा कर रही थीं

भोपाल (नप्र)। 16-17 मार्च की रात 1.30 बजे एक गाय घायल हो गई थी। क्या वह सुबह तक सड़क पर ही घायल अवस्था में पड़ी रहेगी? आपको कॉल भी किया था, पर रिसीव नहीं किया। कोई व्यवस्था नहीं की। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक गो एम्बुलेंस दी थी। वह एम्बुलेंस कहां है?

भोपाल महापौर मालती राय ने मंगलवार को अपर आयुक्त रणवीर कुमार सिंह की कुछ इस तरह से मोबाइल पर ही क्लास लगा दी। वे महापौर हेल्पलाइन की समीक्षा कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने अपर आयुक्त सिंह को मोबाइल पर कॉल किया और 16-17 मार्च की रात में गाय के घायल होने और इलाज की व्यवस्था के बारे में पूछा। अपर आयुक्त सिंह सही ढंग से जवाब नहीं दे सके। इस पर महापौर ने नाराजगी जताई।

कचरा स्टेशन पर 3 कर्मचारियों को भेजा

जोन नंबर, 7, 8, 11, 12, 18 और 19 में कार्यरत निगमकर्मी सोहेल खान, अब्दुल शमी और सुनील गुबारे को कचरा स्टेशन पर भेजने के निर्देश महापौर राय ने दिए। दरअसल, इनकी सफाई से जुड़ी कई शिकायतें पेंडिंग थी। किसी की 21 तो किसी की 35 शिकायतें तक पेंडिंग हो गई थी। दूसरी ओर, जैसे ही हेल्पलाइन पर कोई शिकायत दर्ज होती, अगले दिन ही वह क्लियर कर दी जाती। बिना साइड पर पहुंचते ही शिकायत का निराकरण होना लिख दिया जाता। महापौर को जब यह जानकारी लगी तो उन्होंने संबंधित शाखा के अधिकारी को भी कॉल किया।

हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल किया- भोपाल के स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से 'महापौर महिला हेल्पलाइन' की समीक्षा की गई। महापौर राय ने हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल करके पेंडिंग शिकायतों के बारे में बताया। उन्होंने बताया, 17 फरवरी को आखिरी बार समीक्षा की थी। इसके बाद मंगलवार को समीक्षा की है।

सबसे ज्यादा सीवेज और स्ट्रीट लाइट की शिकायतें

महापौर राय ने बताया, 1 से 28 फरवरी के बीच 3 हजार 369 शिकायत आई थी। बाकी बची 600 शिकायतों पर काम चल रहा है। वहीं, मार्च में अब तक 1588 समस्याएं आई हैं। इनमें से 1010 का समाधान कर दिया है। बाकी शिकायतों को जल्दी दूर करने के निर्देश दिए हैं। सबसे ज्यादा शिकायतें सीवेज और स्ट्रीट लाइट की है। अधिकारियों से बात की है। समस्या का समाधान करेंगे।

इन नंबर पर कर सकते हैं शिकायत

स्ट्रीट लाइट, स्ट्रीट डॉग्स, सीवेज, सफाई समेत निगम से जुड़ी अन्य समस्याएं हैं तो आप भी निगम को कॉल करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए महापौर हेल्पलाइन नंबर-155304 पर कॉल करना होगा।

कलेक्टोरेट में हुई जनसुनवाई, 98 आवेदन मिले

मंगलवार को कलेक्टोरेट में जनसुनवाई हुई। इसमें कुल 98 आवेदन मिले। एडीएम भूपेंद्र गोयल, अंकुल मेश्राम, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी समेत अन्य अधिकारियों ने जनसुनवाई की। इस दौरान शिवनगर कॉलोनी से आई दिव्यांग गुलाब बाई पंथी को ट्राइसिकल प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने डॉग स्क्वॉड में प्रशिक्षण और स्वास्थ्य परीक्षण व्यवस्था संबंधी जानकारी प्राप्त की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास की सुरक्षा में लगे मध्यप्रदेश पुलिस के डॉग स्क्वॉड के श्वान लाली और डॉली को दुलारकर, डॉग स्क्वॉड के प्रशिक्षण और स्वास्थ्य परीक्षण व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किऐ। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री निवास की सुरक्षा व्यवस्था में मध्यप्रदेश पुलिस के डॉग स्क्वॉड के श्वानों की पारी वार ड्यूटी रहती है। डॉग स्क्वॉड का मुख्यालय भोपाल में 23वीं बटालियन में है, जहां जर्मन शेफर्ड, डाबरमैन और लैब्राडोर जैसे विभिन्न नस्लों के डॉग्स को प्रशिक्षित किया जाता है। वर्तमान में देशी नस्लों के श्वान भी इसमें शामिल किए गए हैं। प्रशिक्षण में गंध पहचानना, आज्ञा पालन, अपराधियों और लापता व्यक्तियों का पता लगाने के लिए ट्रैकिंग मुख्य रूप से शामिल है। उनके नियमित हेल्थ चेकअप की भी डॉग स्क्वॉड में विशेष व्यवस्था है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को निवास से ओंकारेश्वर प्रवास के लिए रवाना होते समय, पुलिस जवान के साथ मौजूद डॉग स्क्वॉड को दुलार किया। डॉग स्क्वॉड की डॉली और लाली ने प्राप्त प्रशिक्षण के अनुसार निर्देशों का पालन करते हुए अभिवादन किया।

पीएम मोदी का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माना आभार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश के शहडोल जिले के छोटे से गांव के उभरते फुटबाल खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए उनकी तुलना ब्राजील से कर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के मध्यप्रदेश के प्रति विशेष स्नेह का प्रकटीकरण है। यह भाव 'एमपी के मन में मोदी' को भी चरितार्थ करता है। प्रदेश के चीता प्रोजेक्ट से लेकर कई परियोजनाओं में प्रधानमंत्री श्री मोदी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश में नदी जोड़ो अभियान का शुभारंभ कर विश्व को प्राकृतिक संसाधनों का श्रेष्ठतम प्रबंधन करने का संदेश दिया। उनके आशीर्वाद से प्रदेश विकास और जनकल्याण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रदेश और प्रदेशवासियों को निरंतर प्रोत्साहन के लिए हम सब उनके आभारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह बात कही।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अमेरिकन पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमेन के साथ बातचीत में शहडोल जिले के दौरे की स्मृतियों को साझा करते हुए जनजातीय बाहुल्य गांव विचारपुर के निवासियों में फुटबाल के प्रति जबर्दस्त जुनून की चर्चा की थी। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अमेरिका महाद्वीप का प्रमुख देश ब्राजील फुटबाल के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता और अनेक बार फुटबाल का फीफा विश्व कप जीतने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त है।

अविरल निर्मल नर्मदा योजना को कैबिनेट से मिलेगी मंजूरी

कोरोना के समय शुरू की गई मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना में होगा बदलाव

भोपाल (नप्र)। मोहन यादव कैबिनेट ने 12 मार्च को सदन में पेश किए गए बजट में घोषित नई योजना अविरल निर्मल नर्मदा को आज मंजूरी देगी। इसके साथ ही कोरोना काल में शुरू की गई मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना में बदलाव को भी कैबिनेट आज मंजूरी देगी। बैठक में मध्य प्रदेश सहकारी सोसायटी विधेयक और मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी में संगठन संरचना को भी मंजूरी दी जाएगी।

इन योजनाओं को मिलेगी मंजूरी- भोपाल के झागरिया खुर्द में 4.940 हेक्टेयर जमीन पर आयुष्मान भारत योजना की स्थापना के लिए नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) बनाया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग नई दिल्ली को भूमि आवंटन के लिए कैबिनेट मंजूरी देगी। तुअर दाल के वर्ष 2024-25, 2025-26, 2026-27 के न्यूनतम समर्थन मूल्य को भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत मंजूरी दी जाएगी। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना में मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लाजिस्टिक कॉर्पोरेशन के गोदाम में किए गए नए बदलाव के आधार पर निर्माण को मंजूरी दी जाएगी। औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत इंदौर पीथमपुर फाइनेंशियल कॉरिडोर योजना क्षेत्र में आपसी सहमति के आधार पर भू अर्जन की कार्यवाही में संशोधन को मंजूरी दी जाएगी।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए 10 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मुल्य पर गेहूं की बिक्री के लिये अभी तक 10 लाख 20 हजार 224 किसानों ने पंजीयन कराया है। मंत्री श्री राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि गेहूँ की बिक्री के लिए समय-सीमा में पंजीयन जरूर करायें। उन्होंने बताया है कि किसान 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं, खरीदी उपार्जन केन्द्रों में 5 मई तक होगी। गेहूँ की खरीदी के लिये 2648 उपार्जन केन्द्र बनाये जा चुके हैं। गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए जिला बुरहानपुर में 160, खरगोन में 4305, बड़वानी में 577, अलीराजपुर में 85, खंडवा में 11,560, धार में 20,647, झाबुआ में 3934, इंदौर में 31,694 मंदसौर 31,714, नीमच 10,259, आगर-मालवा में 25,357, देवास में 37,038, रतलाम में 19,966, शाजापुर में 53,172, उज्जैन में 78,016, अशोकनगर में 12,557, शिवपुरी में 8662, ग्वालियर में 5880, दतिया में 7680, गुना में 8446, भिंड में 10,470, श्योपुर में 11,157, मुरैना में 7824, जबलपुर 11,075, बालाघाट 806, कटनी में 15,511, पांढुर्णा 89, डिंडौरी में 1773, छिंदवाड़ा में 9091, सिवनी में 24,801, नरसिंहपुर में 20,979, मंडला में 9350, हरदा में 22,227, बैतूल में 8788, नर्मदापुरम में 52,017, विदिशा में 65,348, रायसेन में 57,898, राजगढ़ में 55,855, भोपाल में 26,847, सीहोर में 76,299, सतना में 12,028, रीवा में 9439, सिंगरौली में 4369, मऊगंज 996, मैहर में 3835, सीधी में 4535, अनूपपुर में 521, उमरिया में 4312, शहडोल में 5145, पन्ना में 14,785, निवाड़ी में 1132, दमोह में 22,505, टीकमगढ़ में 8048, छतरपुर में 12,198 और सागर में 56,462 किसानों ने पंजीयन कराया है।

5 साल की बच्ची से रेप-हत्या के दोषी को फांसी

भोपाल में पानी की टंकी में छिपाया था शव ; मां-बहन को 2-2 साल की कैद

भोपाल (नप्र)। भोपाल के शाहजहांनाबाद इलाके में 5 साल की बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और जघन्य हत्या के आरोपी अतुल भालसे को कोर्ट ने मंगलवार को फांसी की सजा सुनाई है। वहीं, वारदात में उसका साथ देने वाली मां और बहन को भी दो-दो साल कैद की सजा दी है।

विशेष न्यायाधीश कुमुदिनी पटेल ने इस मामले में तीनों को दोषी ठहराया है। घटना 24 सितंबर की है। बच्ची का अपहरण कर युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसकी हत्या कर दी थी। बच्ची का शव उसी की मल्टी के एक बंद फ्लैट से बरामद किया गया था। पुलिस के अनुसार, बच्ची की हत्या गला घोंटकर की गई थी।

आरोपी और उसकी मां-बहन को गिरफ्तार किया था

पुलिस ने गहन जांच के बाद फ्लैट में रहने वाले अतुल निहाले, उसकी मां बसंती बाई और बहन चंचल भालसे को गिरफ्तार कर लिया था। थाना शाहजहांनाबाद ने मामले की जांच पूरी करने के बाद 20 दिसंबर को आरोपियों के खिलाफ स्पेशल कोर्ट में आरोप पत्र दायर किया था।

पुलिस ने आरोप पत्र के साथ डीएनए जांच रिपोर्ट, मेडिकल रिपोर्ट समेत अन्य दस्तावेज और पीड़िता के परिजन, चिकित्सकों और पुलिसकर्मियों सहित अन्य गवाहों की सूची भी पेश की थी।

परिवार समेत बच्ची को तलाशने का नाटक किया

घटना के बाद किसी को शक न हो, इसलिए आरोपी बच्ची के परिजन के साथ उसे तलाशने का नाटक करता रहा। उनके साथ रहकर पुलिस की एक्टिविटी पर भी नजर रखे रहा। जब उसे यकीन हो गया कि वह बच नहीं पाएगा, तो अपने फ्लैट का ताला लगाकर फरार हो गया था। बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था।

फॉगिंग के दौरान बच्ची को फ्लैट में खींचा था

अतुल भालसे के खिलाफ खरगोन में पहले से छेड़खानी, चोरी जैसे 6 अपराध दर्ज हैं। उसकी पत्नी दो साल से अलग रह रही है। आरोपी ने पुलिस को बताया था कि फॉगिंग के दौरान हुए धुएं का फायदा उठाते हुए उसने बच्ची का मुंह बंद कर अपने फ्लैट में खींच लिया था।

रेप के बाद गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। एक दिन तक शव कमरे में बिस्तर के बीच छिपाकर रखा। मक्खियां होने लगीं, तो बॉडी को पानी की टंकी में डाल आया।

जहां लाश मिली वहां से बच्ची का फ्लैट 8 फीट दूर

शाहजहांनाबाद इलाके के जिस फ्लैट से 5 साल की मासूम की लाश मिली थी, वह बच्ची के फ्लैट से महज 8 फीट दूर है। इसके बाद भी पुलिस लाश का पता नहीं लगा पा रही थी। जबकि, पुलिस लाश मिलने से दो बार पहले फ्लैट की तलाशी ले चुकी थी। पुलिस को लाश की भनक इसलिए भी नहीं लगी, क्योंकि आरोपी लाश छिपाने की जगह पर फिनाइल का पोंछा लगाते रहे, ताकि बदबू बाहर न फैल सके।

ये भी पता चला कि जिस दिन बच्ची लापता हुई, उसके आधे घंटे के भीतर आरोपी ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी थी और लाश को बिस्तर के नीचे छिपा दिया था। हत्या से पहले आरोपी ने बच्ची के साथ रेप भी किया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई है। आरोपी ने भी हत्या से पहले रेप करना कबूल किया।

आज रंगपंचमी से आधे एमपी में 3 दिन होगी बारिश

भोपाल, इंदौर-उज्जैन में बूंदाबांदी ; जबलपुर-ग्वालियर संभाग में तेज आंधी-बारिश

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश का आधा हिस्सा आज19 मार्च रंगपंचमी से भीगेगा। भोपाल, इंदौर-उज्जैन संभाग में बादल छाए रहेंगे और बूंदाबांदी होगी, जबकि जबलपुर, ग्वालियर, चंबल, नर्मदापुरम, रीवा, सागर-शहडोल संभाग में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है। नए सिस्टम के एक्टिव होने से ऐसा मौसम रहेगा। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

हालांकि, दो साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से पिछले 5 दिन से प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो रही है, लेकिन 19 मार्च से अगले 3 दिन के लिए मौसम पूरी तरह से बदल जाएगा।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में पन्ना, टीकमगढ़, सतना, मैहर, सिंगरौली, दमोह, सागर, विदिशा, जबलपुर और छतरपुर जिलों में हल्की बारिश हुई। वहीं, सिंगरौली में 39 किमी प्रतिघंटा, सागर में 37 किमी प्रतिघंटा, पन्ना में 36 किमी प्रतिघंटा और चित्रकूट, सतना में 35 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। वहीं, सोमवार को दिन के तापमान में गिरावट हुई है। भोपाल समेत कई शहरों में पारा 3 डिग्री से ज्यादा लुढ़क गया।

संपादकीय

यह तो आग से खेलना है...!

महाराष्ट्र की उपराजधानी नागपुर में साम्प्रदायिक हिंसा भड़कने का तात्कालिक कारण जो भी हो, इतना तय है कि राज्य में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का एक सुनियोजित अभियान एक एजेंडा फिल्म 'छावा' के प्रदर्शन के बाद से लगातार हो रहा है। नागपुर में इतनी हिंसा होना इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि यह शहर राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस का गृह नगर है और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का मुख्यालय भी यहीं है। बताया जाता है कि विश्व हिंदू परिषद द्वारा खुल्दाबाद से औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग और कब्र का प्रतीकात्मक पुतला जलाने तथा किसी संगठन द्वारा मुसलमानों के पवित्र ग्रंथ को जलाने की अफवाह के कारण यह दंगा हुआ। जबकि वास्तव में पवित्र ग्रंथ जलाने की कहीं कोई घटना नहीं हुई थी। संभव है कि यह अफवाह शहर की फिजा को बिगाड़ने के लिए जानबूझकर फैलाई गई हो। जिसके बाद एक समुदाय के युवकों ने सुनियोजित तरीके से शहर के महाल इलाके में तोड़फोड़ और हिंसा शुरू कर दी। चुन- चुन कर लोगों के घरों पर पथराव किया गया। गाड़ियां जला दी गई। जब पुलिस उन्हें रोकने गई तो उस पर भी हमले हुए, जिसमे 23 पुलिस वाले घायल हुए हैं, जिनमें 3 डीसीपी स्तर के अधिकारी हैं। पांच आम नागरिक भी घायल हुए हैं। शहर में हिंसा का नंगा नाच करीब डेढ़ घंटे तक चला। इससे पुराने नागपुर में दहशत फैल गई। शहर के 11 इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया। दंगाइयों ने 12 बाइक, कई कारें, 1 जेसीबी जला दी। पुलिस ने दंगे के आरोप में अभी तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया है। सरकार का कहना है कि यह सब प्लानिंग के तहत किया गया। संभव है कि ऐसा हो, अगर ऐसा है तो पुलिस को इसकी हवा क्यों नहीं लगी? उधर विपक्षी नेता और एआईएमआईएम का आरोप है कि सरकार की भड़काऊ बयानबाजी के चलते यह हिंसा हुई है। पुलिस ने औरंगजेब की तस्वीर जलाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कहा कि सरकार पिछले एक महीने से हिंदू-मुस्लिम तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रही थी। इस बीच भाजपा नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम् ने कहा है कि किसी की कब्र तोड़ना तोड़ना तालिबान का काम है। भारत की संस्कृति मुर्दों से लड़ने की नहीं है। इसमें दो राय नहीं कि मुगल बादशाह औरंगजेब ने हिंदुओं और महान राजा शिवाजी के बेटे वीर संभाजी पर अत्याचार किए, उन्हें यातनाएं दीं। यहां तक कि वो अपने आखिरी वक्त में अपनी राजधानी आगरा भी नहीं पहुंच सका और महाराष्ट्र के औरंगाबाद (अब संभाजी नगर) में ही दम तोड़ा। उसी की कब्र संभाजी नगर के पास खुल्दाबाद में है। हिंदूवादी संगठन औरंगजेब के महिमा मंडन के हिंसक विरोध के साथ अब औरंगजेब की कब्र भी खुल्दाबाद से हटाने की मांग कर रहे हैं। नागपुर में दंगा भड़कने की एक वजह यह भी है। सवाल यह है कि अव्वल तो किसी बादशाह की कब्र हटा भी दी तो उससे होगा क्या? दूसरे यह कब्र खुल्दाबाद से हटाकर कहां स्थापित होगी? या कहीं कोई कब्र ही नहीं होगी? तीसरे, औरंगजेब की कब्र वर्तमान में एएसआई संरक्षित स्मारक है। ऐसे में उसे तोड़ना अपराध है। क्या सरकार इस कब्र का एएसआई संरक्षण खत्म कर उसे हटाने की हिमाकत करेगी? यदि ऐसा हुआ तो देश में बहुत से एएसआई स्मारकों का संरक्षण खत्म कर उन्हें ध्वस्त करने या अन्यत्र स्थापित करने की मांग उठने लगेगी। यह तो जान बूझकर आग से खेलना है। इससे देश में आपसी संघर्ष का नया पिटारा खुल जाएगा। क्या सरकार यही चाहती है?

नजरिया

राजकुमार सिन्हा

लेखक 'बरगी बांध विस्थापित संघ' के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं।

प्लास्टिक प्रदूषण पर नियंत्रण की दरकार

वर्ष 2021 में करीब 60000 करोड़ प्लास्टिक बोतलों और कंटेनरों का उत्पादन किया गया था जो 40 टन वजनी 625000 ट्रकों के वजन के बराबर है। सन् 2020 के एक अन्तर्राष्ट्रीय शोध से पता चलता है कि दुनिया भर में कोकाकोला हर मिनट 167000 बोतलें बनाता है। कहा यह भी जाता है कि यदि आप उन्हें एक पंक्ति में रखें, तो वे 31 बार चांद पर जाएंगी और वापस आएंगी। हर साल हम पृथ्वी पर 300 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा जमा करते हैं। दुनिया में प्लास्टिक बाजार का आकार वर्ष 2022 में 609.01 बिलियन अमेरिकी डॉलर था जो 2030 तक 824.46 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

पिछले साल के अंत में दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित 'अंतर - सरकारी वार्ता समिति' ने प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के वैश्विक प्रयासों को महत्वपूर्ण माना था। वार्ता का उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण पर कानूनी रूप से बंधनकारी संधि को अंतिम रूप देना था, जिस पर पहली बार बातचीत हो रही थी। हालांकि, वार्ता में आम सहमति नहीं बन पाई, परन्तु यह प्लास्टिक प्रदूषण के मूल कारणों से निपटने के साथ - साथ अधिक टिकाऊ उत्पादन और उपभोग प्रणालियों पर नियंत्रण को दर्शाता है। प्लास्टिक प्रदूषण मानव स्वास्थ्य पर विविध प्रभाव डालता है, जैसे - कैंसर, हृदय-रोग और प्रजनन स्वास्थ्य आदि। प्लास्टिक की खोज सबसे पहले 1907 में की गई थी, लेकिन बहुत कम समय में ही इसका उपयोग बढ गया। कभी वरदान समझा जाने वाला प्लास्टिक आज दुनिया के लिए बडी समस्या बन चुका है। साल 1950 में दुनिया में प्लास्टिक उत्पादन 2 मिलियन टन था, जो साल 2021 में बढकर 390 मिलियन टन हो गया। 'अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग और विकास संगठन' (ओईसीडी) के मुताबिक आज 1950 के मुकाबले प्लास्टिक के मूलभूत अंग 'सिंथेटिक पॉलिमर' का वैश्विक उत्पादन 230 गुना बढ़ गया है। वर्ष 2000 से 2019 के बीच ही प्लास्टिक का कुल उत्पादन दोगुना होकर करीब 46 करोड़ टन हो गया था। स्टील, एल्यूमीनियम और सीमेंट से भी ज्यादा तेजी से 'सिंथेटिक पॉलिमर' का उत्पादन हो रहा है। 'ओईसीडी' के मुताबिक वर्ष 2060 तक यह आंकडा 46 करोड़ टन से बढ़कर 1.2 अरब टन हो जाएगा। पूरी दुनिया में प्लास्टिक कचरे का सिर्फ 9 प्रतिशत रिसाइकल किया जाता है,

19 प्रतिशत को जलाया जाता है और करीब 50 प्रतिशत लैंड-फिल यानि बड़े- बड़े गढ्ढों में भरा जाता है। बाकी 20 प्रतिशत अवैध रूप से फेंक दिया जाता है। 'ओईसीडी' के मुताबिक 2.2 करोड़ टन प्लास्टिक पर्यावरण में मिल गया है जिसमें से 60 लाख टन नदियों, तालाबों और सागरों में गया है। प्लास्टिक के बेहद महीन कण, माइक्रो-प्लास्टिक के रूप में आज पूरी दुनिया में हावी हो चुके हैं। पृथ्वी पर मौजूद पानी का केवल कुछ हिस्सा, लगभग 0.3 प्रतिशत ही पीने लायक है। भारत में जल-प्रदूषण पहले से ही एक चिंता का विषय है, प्लास्टिक और कचरे के लीक होने से यह खतरा और बढ गया है। भूजल और जलाशय का पानी विषाक्त पदार्थों के रिसाव के कारण अतिसंवेदनशील है। यह न केवल पर्यावरण, बल्कि इंसानी स्वास्थ्य और जैव-विविधता के लिए बडा संकट है।

ऑनलाइन खाना पैक करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले काले प्लास्टिक कंटेनर लंबे समय तक स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा करते हैं। 'फोर्टिस अस्पताल' के मेडिकल ऑन्कोलॉजी के अतिरिक्त निदेशक डॉ. मंगेश कामत ने बताया कि रिसाइकिल किए गए इलेक्ट्रॉनिक कचरे से बने कंटेनर अक्सर जहरीले रसायनों को सीधे भोजन में छोड़ देते हैं, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि काले प्लास्टिक में 'पॉलिसाइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन' होते हैं जो कैंसरकारी तत्व माने जाते हैं। समुद्री जीवन, मिट्टी की उर्वरता और मानव स्वास्थ्य को खतरे में डालने के अलावा प्लास्टिक कचरा वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 3 से 4 प्रतिशत का योगदान देता है। प्लास्टिक प्रदूषण अब नए चिंताजनक स्तर पर पहुँच गया है। 'टॉक्सिकोलाजिकल साइंसेज' में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि प्लास्टिक के सूक्ष्म कण अब माता के गर्भाशय तक पहुँच गए हैं। यह अध्ययन अमेरिका स्थित 'यूनिवर्सिटी ऑफ मेक्सिको हेल्थ साइंसेज' के वैज्ञानिकों ने किया है। 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित शोध के प्रमुख लेखक सैमुअल पोटींगर के अनुसार यदि विश्व में प्लास्टिक उत्पादन पर प्रतिबंध नहीं लगाए गए तो 2050 तक प्लास्टिक प्रणाली से होने वाले वार्षिक 'ग्रीन हाउस गैस' उत्सर्जन में 37 फीसदी की वृद्धि होगी। विश्लेषण से पता चला है कि 2020 में विश्व द्वारा निर्मित 547 मिलियन टन प्लास्टिक में से अधिकांश का उपयोग पैकेजिंग के लिए किया गया था। पोटींगर के अनुसार 'पर्यावरण में प्लास्टिक कचरा सूक्ष्म और नैनो प्लास्टिक सहित छोटे- छोटे टुकड़ों में टूट जाता है और इस प्रकार आर्कटिक के गहरे समुद्र तक असंख्य पारिस्थितिकी तंत्रों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।'

'संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम' और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों ने प्लास्टिक में करीब 13000 रसायनों की पहचान की थी। वहीं अब यूरोपियन वैज्ञानिकों की टीम ने अपनी रिपोर्ट में प्लास्टिक में 16325 रसायन होने की पुष्टि की है। इनमें से 26 फीसदी, यानि 4200 रसायन इंसानी स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरनाक हैं। 'कोलंबिया क्लाइमेट स्कूल' के 'लैमोंट - डोहर्टी अर्थ ऑब्जरवेटरी' के एनवायरनमेंटल केमिस्ट की एक स्टडी में डराने वाला खुलासा हुआ है। एक लीटर बोतल के पानी में 2.4 लाख प्लास्टिक के टुकड़े मिले हैं। जिसका 90 फीसदी हिस्सा नैनो प्लास्टिक है। दुनिया भर में बोतल-बंद पानी का कारोबार किस कदर हावी होता जा रहा है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हर मिनट दुनिया भर में 10 लाख से ज्यादा पानी की बोतलें बिकती हैं।

वर्ष 2021 में करीब 60000 करोड़ प्लास्टिक बोतलों और कंटेनरों का उत्पादन किया गया था जो 40 टन वजनी 625000 ट्रकों के वजन के बराबर है। सन् 2020 के एक अन्तर्राष्ट्रीय शोध से पता चलता है कि दुनिया भर में कोकाकोला हर मिनट 167000 बोतलें बनाता है। कहा यह भी जाता है कि यदि आप उन्हें एक पंक्ति में रखें, तो वे 31 बार चांद पर जाएंगी और वापस आएंगी। हर साल हम पृथ्वी पर 300 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा जमा करते हैं। दुनिया में प्लास्टिक बाजार का आकार वर्ष 2022 में 609.01 बिलियन अमेरिकी डॉलर था जो 2030 तक 824.46 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

'डाउन टू अर्थ' पत्रिका में रोहिणी कृष्णमूर्ति की रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक बन गया है। यहां सलाना 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक निकलता है जो वैश्विक प्लास्टिक उत्सर्जन का लगभग पांचवां हिस्सा है। भारत सरकार ने 'प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम -2016' को लेकर फरवरी 2022 में 'विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी' (ईपीआर) के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। केन्द्र सरकार ने वर्ष 2022 में 'एकल उपयोग' (सिंगल यूज़) प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया था और 'बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक' अपनाने की सलाह दी थी।

इसके बाद 'प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम- 2024' में 'बायोडिग्रेडेबल' और 'कम्पोस्टेबल' प्लास्टिक अपशिष्ट प्रदूषण की बढ़ती समस्या के समाधान के रूप में पेश किया गया है। इन दिशा-निर्देशों के तहत आज तक कुल 2614 प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करणकर्ता (पीडबल्यूयूपी) पंजीकृत किए गए हैं और 103 लाख टन प्लास्टिक कचरे का प्रसंस्करण किया गया है। दिल्ली स्थित 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' (सीएसई) की एक रिपोर्ट के अनुसार 'केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड' और 'राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडलों' ने पाया कि प्लास्टिक रीसाइक्लर्स द्वारा 700000 फर्जी प्रमाण-पत्र बनाए गए हैं जो रिसाइक्लर्स की प्रमाण-पत्र बनाने की क्षमता से 38 गुना ज्यादा है।

'सीएसई' के विश्लेषण में दिल्ली, बिहार, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में संचालित 'मेकेनिकल रीसाइक्लर्स' में इस प्रकार की गड़बडियां पाई गई हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने 4 जून 2019 को सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगाया था। प्रदेश में इसका उत्पादन नहीं होता, लेकिन अन्य राज्यों से आ रहा है और उपयोग हो रहा है। सरकार ने प्लास्टिक प्रबंधन में उत्पादकों को जिम्मेदार बनाने के लिए 'एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर्स रिस्पॉन्सिबिलिटी' का नियम बनाया है, परन्तु ये आदेश और नियम कचरे में गुम हो गए हैं। हमारी पर्यावरणीय और स्वच्छता लागत बढती जा रही है। अपशिष्ट प्रबंधन या पुनर्चक्रण ही एकमात्र समाधान नहीं है। हमें अपने द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट को कम करने के लिए सक्रिय रूप से काम करने की भी आवश्यकता है। (सप्रेस)

आर्थिकी

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार है

आर्थिक विकास के लिए जरूरी विदेशी निवेश

भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और इसमें विदेशी निवेश (एफडीआई और एफआईआई) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीति अपनाने के बाद से भारत ने अपने निवेश नियमों में कई सुधार किए हैं, जिससे वैश्विक निवेशकों का ध्यान भारतीय बाजार की ओर आकर्षित हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने आत्मनिर्भर भारत और विदेशी निवेश को संतुलित करने की नीति अपनाई है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा मिली है। वर्तमान समय में भारत में आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए विदेशी निवेश एक महत्वपूर्ण कारक बन चुका है। यह निवेश न केवल पूंजी प्रवाह को बढ़ाता है, बल्कि तकनीकी नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार के अवसरों में भी सहायक होता है।

भारत ने पिछले एक दशक में विदेशी निवेश के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। 2021-22 में भारत ने 83.6 बिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया, जो 2014 में प्राप्त 45 बिलियन डॉलर की तुलना में लगभग दोगुना था। लेकिन 2024-25 में भारत में कुल FDI 62.48 बिलियन डॉलर तक का रहा है, जिसमें इक्विटी निवेश, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है, जो पिछले साल की तुलना में 21.3% अधिक है। भारत की सरकार ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (PLI)' जैसी योजनाओं की शुरुआत की है, जिनका उद्देश्य विदेशी पूंजी को आकर्षित करना और घरेलू उद्योगों को सशक्त बनाना है।

विदेशी निवेश के दो मुख्य प्रकार होते हैं– प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई)। एफडीआई के अंतर्गत विदेशी कंपनियां भारतीय कंपनियों में प्रत्यक्ष निवेश करती हैं, जिससे दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह, आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता का लाभ प्राप्त होता है। एफडीआई से देश की उत्पादन क्षमता बढ़ती है और औद्योगिक क्षेत्रों में विस्तार होता है। दूसरी ओर, एफआईआई के अंतर्गत विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में निवेश करते हैं। यह निवेश आमतौर पर अस्थायी होता है और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार इसमें उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। हालांकि, एफआईआई निवेश से शेयर बाजार में स्थिरता आती है और घरेलू कंपनियों को वित्तीय सहायता मिलती है।

भारत की आर्थिक स्थिरता में विदेशी निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है। सबसे पहले, यह पूंजी प्रवाह को बढ़ाकर देश की आर्थिक वृद्धि दर को तेज करता है। जब विदेशी कंपनियां भारत में निवेश करती हैं, तो देश में धन का संचार बढ़ता है, जिससे उद्योगों को विस्तार करने का अवसर मिलता है। इसके अलावा, यह निवेश तकनीकी नवाचार और अनुसंधान एवं विकास को भी बढ़ावा देता है। विदेशी कंपनियां अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता लेकर आती हैं, जिससे भारतीय कंपनियों को अपनी उत्पादकता और गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए, ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण क्षेत्रों में विदेशी निवेश ने भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विदेशी निवेश रोजगार सृजन का एक प्रमुख स्रोत भी है। जब किसी क्षेत्र में विदेशी कंपनियां अपने संयंत्र या उत्पादन इकाइयां स्थापित करती हैं, तो वहां नए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। इससे स्थानीय श्रमिकों को रोजगार मिलता है और उनके जीवन स्तर में सुधार होता है। इसके अलावा, विदेशी निवेश से भारतीय युवाओं को नए कौशल सीखने का अवसर भी मिलता है, जिससे वे वैश्विक कार्यबल का हिस्सा बन सकते हैं। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है जहां उन्नत तकनीकों और नवाचारों की आवश्यकता होती है, जैसे सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और वित्तीय सेवाएं।

इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेश से बुनियादी ढांचे के विकास को भी बढ़ावा मिलता है। जब विदेशी कंपनियां भारत में निवेश करती हैं, तो वे सड़क, रेलवे, बंदरगाह और ऊर्जा क्षेत्र में भी पूंजी लगाती हैं, जिससे लॉजिस्टिक्स और व्यापार करने की प्रक्रिया आसान हो जाती है। उदाहरण के लिए, कई वैश्विक कंपनियों ने भारत में अपने विनिर्माण केंद्र स्थापित किए हैं, जिससे परिवहन और संचार अवसंरचना में सुधार हुआ है। इससे न केवल व्यापार को बढ़ावा मिलता है, बल्कि स्थानीय व्यवसायों को भी इसका लाभ मिलता है।

विदेशी निवेश से भारत के निर्यात क्षेत्र को भी मजबूती मिलती है। कई विदेशी कंपनियां भारत में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित करके यहां से वैश्विक बाजारों में अपने उत्पाद निर्यात करती हैं। इससे भारत का व्यापार संतुलन सुधरता है और विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होता है। उदाहरण के लिए, भारत में स्थापित कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां यहां से इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और फार्मास्युटिकल उत्पादों का उत्पादन करके उन्हें विभिन्न देशों में निर्यात करती हैं। इससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ती है।

हालांकि, भारत सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह विदेशी निवेश को आत्मनिर्भर भारत की नीति के साथ संतुलित रूप से कैसे अपनाए। भारत सरकार ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण नीतियां लागू की हैं, जैसे कि उत्पादन-लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजना, जिसके तहत सरकार उन कंपनियों को प्रोत्साहन देती है जो भारत में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करती हैं। इस योजना से घरेलू उत्पादन और निर्यात दोनों को बढ़ावा मिला है।

रक्षा क्षेत्र में भी एफडीआई की सीमा को बढ़ाकर 49% से 74% कर दिया गया है, जिससे इस क्षेत्र में नई तकनीक और निवेश को बढ़ावा मिला है। यह निर्णय भारत की रक्षा उत्पादन क्षमताओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, सरकार ने स्टार्टअप इंडिया योजना के तहत नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया है, जिससे देश में स्टार्टअप संस्कृति विकसित हो रही है। भविष्य में भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि विदेशी निवेश से प्राप्त पूंजी और तकनीकी संसाधनों का उपयोग घरेलू उद्योगों को सशक्त बनाने के लिए किया जाए। इसके लिए सरकार को बुनियादी ढांचे में सुधार, श्रम कानूनों में आवश्यक परिवर्तन और व्यापार करने में सुगमता बढ़ाने के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे।

कुल मिलाकर, भारत की आर्थिक स्थिरता में विदेशी निवेश की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे न केवल पूंजी और तकनीक का प्रवाह होता है, बल्कि औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। हालांकि, सरकार को इस बात का ध्यान रखना होगा कि विदेशी निवेश का संतुलित उपयोग किया जाए ताकि घरेलू उद्योगों को भी मजबूती मिले और भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर हो सके। आने वाले वर्षों में यदि भारत अपनी नीतियों में सुधार जारी रखता है और विदेशी निवेश को आत्मनिर्भरता के साथ संतुलित रूप से अपनाता है, तो यह वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक मजबूत शक्ति बन सकता है।

अंततः, विदेशी निवेश को सही दिशा में उपयोग करने से भारत की आर्थिक स्थिरता को मजबूती मिलेगी, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा और देश वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती से खड़ा हो सकेगा। भारत की सरकार को ऐसी नीतियों को जारी रखना होगा जो विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ घरेलू उद्योगों के विकास को भी सुनिश्चित करें, ताकि देश एक आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र बन सके।

होली गीतों के नाम पर अश्लीलता : संस्कृति बनाम सेंसर

विनोद कुमार विक्की

होली अथवा अन्य सार्वजनिक समारोह में अश्लील और द्विअर्थी होली अथवा भोजपुरी गीतों के प्रसारण पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 296/79 एवं अन्य धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई किए जाने संबंधित गाइडलाइंस होली के पूर्व बिहार पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी की गई है। इसके निदान के लिए पुलिस प्रशासन के स्तर से विशेष अभियान चलाकर आवश्यक निरोधात्मक और कानूनी कार्रवाई किए जाने का निदेश दिया गया है।

ढोलक की थाप पर फगुआ राग और होली गीत गायकी का परंपरागत नाता रहा है। 'जोगी जी धीरे-धीरे जोगी जी वाह जोगी जी' और फगुआ जैसे कर्ण प्रिय गीत-संगीत से पूर्वोत्तर के यूपी, बिहार ही नहीं अपितु संपूर्ण भारत में फागुनी होली का बसंत मिश्रित उमंग छा जाता है। रंगोत्सव होली अर्थात मन की दुर्भावनाओं को दहन कर प्रेम, सौहार्द्र बढ़ाने का पर्व, अधम पर भक्ति की विजय का पर्व, मस्तक पर गुलाल मलकर गले मिलने का पर्व, पवित्रता और मिठास का पर्व, अहंकार और विकृत मानसिकता के दहन का पर्व, राधा-कृष्ण का पर्व, राग-रीत का पर्व गीत-संगीत का पर्व।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने वाले इस पावन प्रेम के पर्व में अश्लीलता और फूहड़ता का प्रवेश कब कैसे और किन परिस्थितियों में हो गया? यह एक यक्ष प्रश्न है।

होली का बॉलीवुड से भी गहरा रिश्ता रहा है। फिल्मों में होली पर्व का रंग हमेशा परवान चढ़ा है। लोक-संस्कृति के लोक गीत से लेकर परंपरागत होरी, फगुआ या जोगीरा का फिल्मों में जमकर प्रयोग होता रहा है। जिसके गीतों में छेड़छाड़ एवं स्वस्थ भाव वाली ठिठोली अवश्य है, लेकिन फूहड़ता और अश्लीलता कहीं नजर नहीं आती।

आम तौर पर होली पर्व को कृष्ण और राधा के संग जोड़ा जाता है। लेकिन विभिन्न लोक गायकों ने अपने-अपने गायकी से अवध,काशी,ब्रज आदि की पावन होली का भरपूर चित्रण किया है।काशी में भोलेनाथ, ब्रज में कृष्ण होली गीतों के नायक होते हैं तो अवध में प्रभू श्रीराम। छन्नूलाल मिश्रा,आबिदा परवीन,बेगमअख्तर,नूसरत फतेह अली खान से लेकर भरत शर्मा व्यास तक के होली गीत में काशी अवध, ब्रज बरसाना, भागवत पुराण तक की होली परंपरा को सरस शब्दों और गीतों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। रंगो का यह त्यौहार दक्षिण एशिया में लगभग सभी धर्मों और संप्रदायों में खासा लोकप्रिय है। मुस्लिम सूफियों से लेकर शारदा सिन्हा,भरत शर्मा व्यास जैसे भोजपुरी गायकों ने होली गीत को अपनी उम्दा आवाज और संगीत से और भी ज्यादा समृद्ध किया है। गिरिजा देवी की उड़त अबीर गुलाल, छन्नूलाल मिश्रा की 'खेलैं मसाने में होली दिगंबर, खेलैं मसाने में होली', बेगम अख्तर के शब्दों में 'सखी, होली खेलन कैसे जाऊं' जैसी होरी गीत,सूफी गीत गायिका आबिदा परवीन की 'होली खेलन आया पिया, होली खेलन आया', शोभा गुर्टु की 'आज बिरज में होरी रे रसिया', नुसरत फतेह अली खान की रंग है री मां, रंग है री, भरत शर्मा व्यास की भोजपुरी निर्गुण गीत 'होरी खेलत रघुबीर' के अलावा यदि भोजपुरी होली गीत की बात करें तो शारदा सिन्हा की 'भीजल मोरी चुनरिया' या फिर नदिया के पार का जसपाल सिंह का 'जोगी जी धीरे-धीरे जोगी जी वाह जोगी जी', 'जोगीरा सारा रा रा' जैसे कर्ण प्रिय भोजपुरी गीतों को सांस्कृतिक धरोहर ही माना जा सकता है। पुराने भोजपुरी गीत-संगीत जिसमें हंसी मजाक है विशुद्ध चुटकी है लेकिन फूहड़ता और अश्लीलता लेस मात्र भी नहीं। इन दिनों भोजपुरी गाना के गिरते स्तर ने होली जैसे पावन मनोरंजक पर्व को भी अश्लील गीत संगीत से शर्मसार करने की कसम खा रखी है। विगत कुछ वर्षो से अश्लील गाने गाना और सुनना होली खेलने व मनाने का आधार बनता जा रहा है। इस कार्य मे बिहार के भोजपुरी गायक एवं भोजपुरी होली गीतों ने सभी मर्यादा को ताक पर रख दिया है। भौजी, साली आदि के साथ अश्लील और द्विअर्थी शब्दों का प्रयोग कर भोजपुरी होली गीतों का बाजार ऑन-लाइन सज-सा गया है।

वर्तमान में अश्लीलता की हद पार कर चुके भोजपुरी होली गीत में यौनिक इशारेबाजियां और फूहड़पन से रंगीन होली को रूग्ण होली बनाने की ओर अग्रसर प्रतीत होता है। चौक चौराहा,बस-टेम्पू ,सैलून,पान दुकान,डीजे आदि द्वारा जब इन होली गीतों को तेज ध्वनि में बजाया जाता है सुनने वाला सभ्य समाज शर्मसार हो जाता है।

छैला बिहारी का गीत 'एगो जोबना हरिहर लौके एगो लौके लाल हो',अक्षरा सिंह का साइज भूल गइला होली में,रसदार होली एलबम से गुड्डू रंगीला का गीत होली में खिसियाइल जोबन,छोटू छलिया का लंहगा करत लसालस,खेसारी का लाल रंग डालब गुलगुलवा में,गुड्डू रंगीला का ही बैगनवा रे तोर बिन काम ना चली,रंगेम तोहार दुनो उ उ,आगे पाछा जीजा दुनो टेस्ट करा त, आदि निम्न स्तरीय एवं अश्लीलता की हद पार कर चुके होली गीत भोजपुरी लोक गायन के नाम पर कलंक ही है। ऐसे लोक गायक सस्ती लोकप्रियता की आड़ में देवर-भाभी, जीजा-साली जैसे हंसी-मजाक वाले स्वस्थ रिश्तों को कलंकित करने के साथ ही लोक संस्कृति को तार-तार कर रहे हैं। इनके द्वारा होली की आड़ में सस्ती लोकप्रियता को भुनाने की बाजारवादी घृणित मानसिकता स्पष्ट ही दृष्टिगोचर होती है।

जहाँ तक अश्लील गायन से संस्कृति प्रदूषण की बात है, तो इसके लिए जितने जिम्मेदार भद्दे द्विअर्थी गीतों को सुनने और इन गीतों पर झूमने और थिरकने वाले श्रोता हैं, उससे कहीं ज्यादा जिम्मेदार इनके कम्पोजर लोक गायक और म्यूजिक कंपनियां है।

बहरहाल, लोक संस्कृति की आड़ में फूहड़ गीत-संगीत के प्रसारण से होली जैसे पौराणिक पावन उत्सव पर सामाजिक,सांस्कृतिक प्रदूषण फैलाने वालों के संदर्भ में पुलिस मुख्यालय का आदेश स्वागत योग्य है। इन घटिया एलबम पर रोक लगाने के लिए सेंसर बोर्ड जैसी प्रमाणिक संस्थान और सख्त कानून की जरूरत समय की माँग बन चुकी हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

अनीता श्रीवास्तव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

रंग नहीं लगाते मोबाइल पर हैप्पी होली लिखते हैं

प्राचीन काल में अपने देश में होली नामक त्यौहार मनाया जाता था। इसमें दो प्रमुख कार्य होते थे। एक था होलिका दहन और दूसरा, रंग खेलना। महीने भर पहले से लड़के घर घर जा कर चंदा मांगा करते। लकड़ी एकत्रित करते। उस पर पुरखों की बताई कथा अनुसार होलिका को जलाते थे। चंदे के बचे हुए पैसों से होली की आवश्यक सामग्री खरीदी जाती। जिसमें विशेष प्रकार की जड़ी बूटी भी शालिम थी। इसे दूध और मेवे मिला कर बनाया जाता, फिर इसे भोले नाथ का प्रसाद कह कर गटका जाता। इसके बाद मज़े किए जाते। मज़े की रेंज पर्सन टू पर्सन डिफर करती थी। किसी को होली के गीत गा कर मज़ा आता तो कोई जुगीरा सर्रर्रर्रर्र पर गमछा ओढ़ कर नाचता। कुछ लोग फिल्मी गानों पर ठुमके लगाते। लोग टोली बना कर घूमा करते थे। वे हुरियारे कहे जाते थे। बच्चे पिचकारियों से रंग मारते फिरते। बड़ों के हत्थे चढ़ जाएं तो वे हाथ साफ कर लेते थे। दोनों को मज़ा आता। बच्चे पिट कर और बड़े उन्हें पीट कर आनंदित होते थे।

आशिक कैटेगरी के लोग वर्ष भर होली का इंतज़ार करते और अवसर मिलते ही गालों पर गुलाल लगा देते। जिनके गालों पर गुलाल लगाई जाती , वे गोरी कहलाया करती, भले ही काली हों। रंग लगाने के बाद गोरी लजा जाती थी।यही नियम था। इस प्रकार होली की गतिविधि फुल टाइम जॉब होती थी। त्यौहार बीत जाने के बाद भी रंग सड़कों पर गिरा रहता। लोगों के चेहरों से पूरी तरह गायब होने में रंगों को कई दिन लगते। इस उपक्रम में पानी का उपयोग बहुतायत में होता था।

अब भविष्य की आप बीती

आज भी होली मनाई जाती है। इस दिन मोबाइल पर हैप्पी होली लिखते हैं। बातचीत की शुरुआत में हैप्पी होली बोलते हैं। अपने सभी आत्मीय जनों को फोन (रंग नहीं) लगाते हैं। उनसे हैप्पी होली कह कर इधर उधर की बातें करती हैं, खास कर वे बातें जो किसी काम की नहीं होती; जैसे 'और क्या चल रहा है, वहां ठंड खत्म हुई कि नहीं, कब मिल रहे हो, आदि।' फोन में गोरियां बिखरी पड़ी हैं। इन पर गुलाल फेंकने का काम अब बड़ा आसान और निर्बाध हो गया है। अपने घर दरवाजे गली मोहल्ले में सब साफ सुथरा ही रहता है। ऐसे में होली का पता लगाने के लिए लोगों को टीवी या मोबाइल चालू करना पड़ता है।

यूं यथार्थ में भी होली होती है मगर रंगों की आवश्यकता अब नहीं रह गई है। क्योंकि आज आदमी ने रंग बदलने का हुनर विकसित कर लिया है। रंग नामक पदार्थ पर उसकी निर्भरता का समापन मनुष्य को एक अलग ही यात्रा पर ले जा रहा है। नहीं हैं। घरों में आज स्त्रियां गुजिया जैसे हाई कैलरी पकवान अब चलन से बाहर हैं। के बजाय बाहर से पैसा बनाने में व्यस्त रहा करती हैं। साथ ही दिल और अन्य अंगों ने हाथ खड़े कर दिए है। अन्दर से आवाजें आती हैं हम गुजिया पचाने लायक नहीं रहे। हमें अब परिश्रम की आदत नहीं रही। जेबों में पड़ौसी के घर की गुजिया भर लेना बिल्कुल वाहियात हरकत मानी जाती है।

बच्चे वीडियो देख कर और घर के काम करके होली का एक दिन बिताते हैं। अश्लील गाने और नृत्य अब होली के मोहताज नहीं रहे। इनके लिए अब पूरे साल होली है। पहले लोग अपने रंग में रहा करते थे मगर अब आदमी रंग बदलने में इतना माहिर हो गया है कि उसे रंग नामक पदार्थ की आवश्यकता ही नहीं रही। तिस पर एक्सपर्ट के माफिक रंग बदलने के कारण वह साल भर तक इंतजार नही कर सकता। यह तो उसकी जीवनचर्या का अभिन्न अंग है। इसके लिए त्यौहार तक क्यों रुकना !

पहले लड़के घर घर जा कर चंदा मांगा करते थे। आज बच्चे, बचपन पूरा होते न होते घरों से दूर पढ़ने चले जाते हैं । यद्यपि वे त्योहारों पर घर आते हैं किन्तु अधिक समय बाहर रहने के कारण वे अपने घरेलू परिवेश से वैसे ही कट गए जैसे कभी कभी रेल से डिब्बे कट जाते हैं। अब वे चंदा मांगने वाले स्थानीय लड़कों से उनकी पटरी वैसे ही नहीं खाती जैसे दूसरे मोहल्ले के कुत्ते से अपने मुहल्ले वाले की नहीं खाती। वे उसे देख कर भौंकते हैं। स्थानीय लड़के काफी संघर्ष करके यहां अपनी जगह बना पाए। वे लड़के ढंग का पढ़ लिख नहीं सके, वे कोचिंग नहीं गए। उन्होंने बाहर जितनी कठिनाई , घर ही में पैदा कर ली। बड़ों और गुरुओं से बचते हुए उनने आवारागर्दी का कोर्स पूरा किया। होली आते ही उन्हें अपना हुनर दिखाने का मौका मिलता है। हाई प्रोफाइल सोसाइटियो में स्किन की खराबी, पानी की बरबादी और प्रदूषण के खतरों से बचने के लिए युवाओं ने रंग न खेलना और होली न जलाने का फैसला कर लिया है। यह काम उनके पर्यावरण प्रेम को दर्शाता है जो कि बड़ी मेहनत करके उत्पन्न किया जा सका है। सालों साल विद्वानों ने भाषण दिए लेख लिखे तब कहीं जा कर ऐसी पीढ़ी आ सकी जो पर्यावरण प्रेमी है। यह पीढ़ी मिट्टी पानी छूना पसंद नहीं करती लेकिन त्यौहारों का बहिष्कार करके अपने पर्यावरण प्रेम का संदेश देती है। जिन तक संदेश पहुंचा है वे इसे ले लें और पेड़ आदि लगा लें।

इस तरह, भौत तेजी से भाग रहे भौतिक जगत में होली, अपनी उपस्थिति बनाने के लिए संघर्षरत है। इसके समर्थन में होली गीत बजाने का कष्ट करें।

गौरैया दिवस पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

तू है चिड़िया मेरे आंगन की

कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भाग दौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके। गौरैया छोटे, फुर्तीले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल, मोटा शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है।

हमारे घर के आंगन में सबसे बड़ी संख्या में एक छोटी चिड़िया देखने को मिलती है जिसे हम गौरैया कहते हैं। यह चिड़िया बचपन से ही हमारी साथी बन जाती है। जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्ही चिड़िया यानी गौरैया होती है। यह नन्ही चिड़िया बच्चों के इर्द-गिर्द ही घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपटकर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव देहातों में यह आज भी देखने को मिल जाता है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा।

कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भाग दौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके।

गौरैया छोटे, फुर्तीले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल, मोटा शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है।

गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों, गांवों, और खेतों के आसपास यह बहुतयात से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते है। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं।

गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती।

हर वर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य है गौरैया के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए हमारे आस पास का माहौल बेहतर करना है। गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है। क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया एक ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारो का कहना हैं कि यह चिड़िया शांति और सदभावना का संदेश लेकर आती है।

आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकनेवाली छोटी सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला था। वहीं आंध्र

विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह कमी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुई है।

पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। जबकि स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स (एसओआईबी) रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले 25 सालों में गौरैया की आबादी कुल मिलाकर काफी स्थिर रही है। हालांकि भारत में हाउस स्पैरो की संख्या कम होने की आम धारणा है। गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता को लेकर दिल्ली सरकार ने 2012 और बिहार सरकार ने 2013 से गौरैया को राजकीय पक्षी घोषित कर रखा है।

कभी हमारे घर-आंगन में गिरे अनाज को खाने गौरैया फुर्र से आती थी और दाना चुगकर उड़ जाती थी। हालांकि गांवों में आज भी कई घरों में गौरैया आ रही है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे कई कारण हैं जिन पर लगातार शोध हो रहे हैं। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में आहार की कमी, बढ़ता आवासीय संकट, कीटनाशक का व्यापक प्रयोग, जीवन-शैली में बदलाव, प्रदूषण और मोबाइल फोन टावर से निकलने वाले रेडिएशन को दोषी बताया जाता रहा है।

गौरैया की संख्या में कमी के पीछे बेतहाशा कीटनाशक का प्रयोग को माना जा रहा है। गौरैया अपने बच्चे को फसल, साग-सब्जी, फलों में लगनेवाले कीड़े को खिलाती है। इससे गौरैया के बच्चे को भरपूर प्रोटीन मिलता है। बच्चा अनाज खा नहीं सकता है लेकिन जिस तरह से फसल-सब्जी-फल-अनाज में कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ा है। उससे उनके बच्चों को सही आहार मिल पाने में परेशानी हो रही है। फसल और साग-सब्जी में बेतहाशा कीटनाशक के प्रयोग ने कीड़ों को मार डाला है। ऐसे में गौरैया अपने बच्चे को पालने के दौरान समुचित आहार यानी प्रोटीन नहीं दे पाती है और बच्चे कमजोर हो जाते हैं।

गौरैया के प्रजनन के लिए अनुकूल आवास में कमी को भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण माना जा रहा है। कच्चे घरों का तेजी से कंक्रीट के जंगलों में तब्दील होने से शहरों में इनके प्रजनन के लिए अनुकूल आवास नहीं मिलते हैं। यही वजह है कि एक ही शहर के कुछ इलाकों में ये दिखती है तो कुछ में नहीं। गौरैया संरक्षण में जुड़े लोग कृत्रिम घर बनाकर गौरैया को प्रजनन के लिए आवास देने की पहल चला रहे हैं। इसमें गौरैया अंडे देने के लिए आ भी रही हैं।

जहां तक गौरैया का सवाल है यह इन्सानों की दोस्त तथा किसानों की मददगार है। गौरैया इन्सान के साथ रहते हुए उन्हें सुख-शांति प्रदान करती हैं। बच्चों का बचपन इसके साथ खेलते हुए गुजरता है। लेकिन हम इन्सानो ने ही इसे अपने से दूर कर दिया है। भारत में पक्षियों की कुल मिलाकर 1250 प्रजातियां हैं। जिनमें से 85 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। जिसमें गौरैया का भी नाम शामिल है।

गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घौंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घौंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है। इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। ऐसे में उसकी रक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। 2025 में विश्व गौरैया दिवस की थीम 'प्रकृति के नन्हे दूतों को श्रद्धांजलि' है। यह थीम पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में गौरैया की भूमिका पर प्रकाश डालती है और संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करती है।

कटाक्ष

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

सरकारी दफ्तर की चाय

सुबह के दस बजे थे। सरकारी दफ्तर में गहमागहमी शुरू हो चुकी थी। बाबू लोगों की टेबलों पर फाइलें फैली पड़ी थीं, जैसे किसी कवि के दिमाग में बिखरे हुए शेर। चपरासी अपनी धज में इधर-उधर घूम रहा था, मानो बिना स्क्रिप्ट के कोई थिएटर कलाकार मंच पर घूमता हो। सरकारी बाबुओं के चेहरे पर वही पुरानी उदासी थी, जो तनख्वाह से पांच दिन बाद ही बैंक बैलेंस में आ जाती है। तभी दरवाजे पर एक सज्जन नमूदार हुए। चेहरे से लग रहा था कि पहली बार सरकारी दफ्तर की पवित्र भूमि पर पधारे हैं। उनकी आँखों में उम्मीद थी, जैसी सरकार बजट पेश करने से पहले जनता की आँखों में भरती है।

'साहब, मेरा एक छोटा-सा काम था' आदमी ने धीरे से कहा।

बाबूजी ने चश्मा ठीक किया, जैसे डॉक्टर मरीज की नब्ज टटोलता हो। फिर बोले, 'काम छोटा हो या बड़ा, सरकारी दफ्तर में एक ही दरजे का होता है– पेंडिंग!' आदमी की आँखें छलक आईं, लेकिन बाबूजी ने तुरंत एक सांत्वना भरी मुस्कान फेंकी, 'आप परेशान न हों, काम हो जाएगा। बस, थोड़ा समय और थोड़ा समर्पण चाहिए।' समर्पण शब्द पर उन्होंने खास जोर दिया, जैसे शिक्षक परीक्षा में पास होने के लिए ट्यूशन का महत्व समझाता है।

काम की प्रक्रिया शुरू हो, इससे पहले ही चाय वाले रामू काका आ धमके। 'साहब, आज की चाय ले आऊँ?' रामू काका की आवाज़ में वही श्रद्धा थी, जो भक्त केदारनाथ के कपाट खुलने पर प्रकट करता है। बाबूजी ने गहरी सोच में डूबकर कहा, 'हां, लेकिन आज कुछ स्पेशल होना चाहिए।'

'क्या स्पेशल साहब?' रामू काका ने मुस्कुराते हुए पूछा।

'आज चाय में जनता के आँसू मिलाने हैं।'

रामू काका हँस दिए। नए आदमी की आँखें आश्चर्य से फैल गईं। 'साहब, मैं समझा नहीं।'

बाबूजी ने उसे प्यार से समझाया, 'देखिए, यह सरकारी दफ्तर है। यहाँ हर चाय में जनता की मेहनत, उम्मीद, और आंसू घुले होते हैं। चाय तो बस एक माध्यम है, असली स्वाद तो इंतजार का है!'

नए आदमी ने घड़ी देखी। आधा घंटा बीत चुका था और अभी उसकी अर्ज़ी टेबल तक नहीं पहुँची थी। तभी बाबूजी ने मुस्कुराते हुए पूछा, 'आप चाय लेंगे?'

'जी नहीं, मुझे जल्दी है।'

'यही तो दिक्कत है! सरकारी काम में जल्दी नहीं होती, चाय में होती है।'

आदमी निराश होकर कुर्सी पर ढह गया। उसे लगा कि यह चाय नहीं, सरकारी तंत्र का कड़वा सच है–धीमा, बेस्वाद और मजबूरी से भरा हुआ।

गौरैया दिवस

कुछ दोहे

सुनील चतुर्वेदी

बैठी चिड़िया डाल पर, लिए नैन में नीर ।
पीड़ित और उदास है, कोई न जाने पीर ।

पक्के ऊँचे घर बने, है मानव की भीड़ ।
सोच - सोच कर रो रही, कहां बनाऊं नीड़ ।

अब मेरे दुश्मन नहीं, कौआ, बिल्ली, बाज़ ।
मुझको खतरा है यहां, बस मानव से आज ।

वो भी क्या दिन थे कभी, सब करते थे प्यार ।
सुध कोई लेता नहीं, सबने दिया बिसार ।

आज नहीं तो कल अरे, पछताओगे आप ।
मिल न सकूंगी मैं कभी, होगा बस संताप ।

सूना होगा फिर सदा, घर आंगन संसार ।
समय ज़रा सा शेष है, जल्दी करो विचार ।

निशब्द हूँ...

मैंने अपनी नन्हीं पोती के
प्रत्येक सवाल का जवाब
आसानी से दे दिया ।
किन्तु - उसके
यह पूछे जाने पर कि
गौरैया किस चिड़िया का
नाम है और यह कहां रहती है?
मैं निशब्द हूं,
निरुत्तर हूँ ।

उसकी नन्हीं आँखें
मुझे यही प्रश्न करते
हर रोज़ दिखाई देती हैं ।
किन्तु -
मैं हर बार ही
मौन रहता हूँ ।
क्योंकि, मैं जानता हूँ
मुझे
मौन ही रहना पड़ेगा
पता नहीं
कब तक ।

गौरैया को चाहिए दाना-पानी और बयां

गौरैया दिवस

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हमारी सोच अब आहिस्ता-आहिस्ता बदलने लगी है। हम हम प्रकृति और जीव जंतुओं के प्रति थोड़ा मित्रवत भाव रखने लगे हैं। घर की टैरिश पर पक्षियों के लिए दाना-पानी डालने लगे हैं। गौरैया से हम फ्रेंडली हो चले हैं। किचन गार्डन और घर की बालकनी में कृतिम घोंसला लगाने लगे। गौरैया धीरे हमारे आसपास आने लगी है। उसकी चीं-चीं की आवाज हमारे घर आंगन में सुनाई पड़ने लगी है। गौरैया संरक्षण को लेकर ग्लोबल स्तर पर बदलाव आया है यह सुखद है। फिर भी अभी यह नाकाफी है। हमें प्रकृति से संतुलन बनाना चाहिए। हम प्रकृति और पशु -पक्षियों के साथ मिलकर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण तैयार कर सकते हैं। जिन पशु पक्षियों को हम अनुपयोगी समझते हैं वह हमारे लिए प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित करने में अच्छी खासी भूमिका निभाते हैं, लेकिन हमें इसका ज्ञान नहीं होता।

गौरैया हमारी प्राकृतिक मित्र है और पर्यावरण में सहायक है। गौरैया प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और चावल या अनाज के दाने को चुगती है। कभी घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोंसले लटके होते थे,लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई। हालांकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता के चलते हाल के सालों में यह दिखाई देने लगी है। गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खासी भूमिका भी है। दुनिया भर में 20 मार्च गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गौरैया संरक्षण के लिए लोगों से पहल कर चुके हैं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य बृजलाल के प्रयासों को ट्वीटर पर खूब सराहा था और कहा कि गौरैया संरक्षण को लेकर आपका प्रयास बेहतरीन और काबिले तारीफ है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने अपने घर में गौरैया संरक्षण को लेकर काफी अच्छे उपाय किए हैं। उन्होंने गौरैया के लिए दाना पानी और घोंसले की व्यवस्था की है। जंगल में आजकल पंच सितारा संस्कृति विस्तार ले रही है। प्रकृति के सुंदर स्थान को भी इंसान कमाने का जरिया बना लिया है। जिसकी वजह पशु- पक्षियों के लिए खतरा बन गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर के प्रयासों से 20 मार्च को चुलबुली गौरैया के लिए रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। गौरैया का संरक्षण हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इनसान की भोगवादी संस्कृति ने हमें प्रकृति और उसके साहचर्य से दूर कर दिया है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती। इसका जीवनकाल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है।

भारत की आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी

"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गौरैया संरक्षण के लिए लोगों से पहल कर चुके हैं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य बृजलाल के प्रयासों को ट्वीटर पर खूब सराहा था और कहा कि गौरैया संरक्षण को लेकर आपका प्रयास बेहतरीन और काबिले तारीफ है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने अपने घर में गौरैया संरक्षण को लेकर काफी अच्छे उपाय किए हैं। उन्होंने गौरैया के लिए दाना पानी और घोंसले की व्यवस्था की है। जंगल में आजकल पंच सितारा संस्कृति विस्तार ले रही है। प्रकृति के सुंदर स्थान को भी इंसान कमाने का जरिया बना लिया है। जिसकी वजह पशु- पक्षियों के लिए खतरा बन गया है।"

बताई गई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आफ प्रोटेक्शन आफ बर्ड्स ने इस चुलबुले और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। गौरैया की घटती आबादी के पीछे मानव विकास सबसे अधिक जिम्मेदार है। गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक दो मील की दूरी तय करती है। मानव जहां-जहां गया, गौरैया उसका हमसफर बनकर उसके साथ गयी।

गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे। उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे,लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता। देश की खेती-किसानी में रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकल युक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े-मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिनमें गिद्ध, कौवा, महोख, कठफोड़वा, कौवा और गौरैया शामिल हैं। इनके भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक मुल्कों तक पहुंच गयी है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो। घोंसले सुरक्षित स्थान पर हों, जिससे गौरैयों के अंडों और चूजों को हिंसक पक्षी और जानवर शिकार न बना सकें। हमें प्रकृति और जीव-जंतुओं के सरोकार से लोगों को परिचित कराना होगा। आने वाली पीढ़ी तकनीकी ज्ञान अधिक हासिल करना चाहती है, लेकिन पशु-पक्षियों से वह जुड़ना नहीं चाहती है। इसलिए हमें पक्षियों के बारे में जानकारी दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जिससे हम अपनी पर्यावरण दोस्त को उचित माहौल दे पाएं।

शंकर मंदिर में महिला मंडल ने मनाया होली मिलन

बैतूल/ भौरा। नगर के माता मोहल्ला स्थित शंकर मंदिर में सोमवार को महिला मंडल द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों महिलाओं ने सहभागिता दर्ज कर भजन संध्या, रंग-गुलाल और होली के पारंपरिक गीतों के साथ उत्सव मनाया। समारोह की शुरुआत मंदिर परिसर में भजन संध्या से हुई, जहां महिलाओं ने पारंपरिक भजनों और

फाग गीतों का गायन किया। जैसे ही भजन गूंजे, माहौल भक्तिमय हो गया। इसके पश्चात महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। होली के उल्लास को बढ़ाते हुए महिलाओं ने फाग और होली के पारंपरिक गीतों पर जमकर नृत्य किया। रंग बरसे, आज बिरज में होली रे रसिया और होली खेलन आए कान्हा जैसे गीतों पर पूरे मंदिर परिसर में उल्लास का वातावरण बन गया।कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने बताया कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक भी है। उन्होंने इस अवसर पर सामाजिक एकता और समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम में अनेक महिलाओं ने भाग लिया। सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं और होली पर्व को उल्लासपूर्वक मनाया।

महिला का घर में मिला शव, हत्या की आशंका

बैतूल। बैतूल बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम कोलगांव में एक महिला का शव घर में मिला। जिससे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्ट मार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भिजवाया। बैतूल बाजार थाना प्रभारी

अंजना धुर्वे ने बताया कि ग्राम कोलगांव में लक्ष्मी उईके (40) का घर में ही शव पड़ा मिला है। मृतिका के शरीर पर कई जगह चोट के निशान भी पाए गए। इसीलिए पुलिस ने महिला की हत्या होने की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद महिला की मौत का कारण स्पष्ट हो जाएगा। महिला के मौत के संबंध में पति से प्राथमिक पुछताछ की। महिला के पति ने बताया कि वह काम पर गया था, सोमवार जब वह घर पहुंचा तो पत्नि बेहोशी की हालात में घर के सामने पड़ी मिली। पत्नि को वह घर के भीतर ले गया और पानी पिलाया, जब सुबह देखा तो पत्नि मृत पाई गई। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जंगली सूअर ने किया किसान पर हमला

बैतूल। एक किसान पर जंगली सूअरों ने हमला कर दिया। जिसे घायल अवस्था में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना मुलताई क्षेत्र के ग्राम सावरी में मंगलवार दोपहर 3 बजे की है। किसान सुभाष हिंगवे (45) अपने मक्का के खेत में सिंचाई कर रहे थे। अचानक 4-5 जंगली सूअरों का झुंड वहां आ गया। सूअरों ने सुभाष पर हमला कर दिया। उनके हाथ, छाती और पैरों पर गहरी चोटें आईं। सुभाष की चीख-पुकार सुनकर आसपास के किसान मदद के लिए दौड़े। किसानों ने जंगली सूअरों को भगा दिया। प्राथमिक उपचार के बाद किसान को बैतूल रेफर किया जा रहा है।

मारपीट कर युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। सारणी में एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 16 मार्च की रात करीब 10.30 बजे की है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी सूरज उर्फ सुरेश उईके एवं करण सलाम, दोनों निवासी सारणी, शराब के नशे में राहुल उईके से गाली-गलौच कर मारपीट कर रहे थे। इसी दौरान बीच-बचाव करने आए दीपक पंद्राम के साथ भी आरोपियों ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की, जिससे दीपक पंद्राम को गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गया। राहुल उईके और अन्य लोग दीपक पंद्राम को उपचार के लिए एमपीपीजीसीएल अस्पताल, सारणी लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट पर थाना सारणी में धारा 115(2), 103, 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निश्चल एन. झारिया द्वारा तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। थाना सारणी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

जिले की 226 नल-जल योजनाओं को किया रिवाइज, 15-16 योजनाएं जलस्तर गिरने से बंद

732 गांवों में पहुंचा नल का जल, अब घर बैठे लोगों को मिल रहा पानी

संजय द्विवेदी, बैतूल। अब धीरे-धीरे गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में जलसंकट जैसे हालात बनते थे, लेकिन इस बार ग्रामीणों को पानी के लिए परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि अधिकांश गांवों में लोगों को घर पर ही शुद्ध व साफ जल उपलब्ध हो रहा है, क्योंकि जिले के अधिकांश गांव-गांव और घर-घर तक नलजल योजना पहुंच रही है। जिले में 1096 नलजल योजना के काम स्वीकृत किए गए थे। जिनकी लागत 550 करोड़ रुपए है। इनमें से 732 योजनाओं पर काम पूर्ण हो चुका है, 364 योजनाएं अभी शेष है। इनमें 226 ऐसी हैं जिन पर काम शुरू हो गया था, लेकिन बाद में बिजली, बोर में पानी की कमी, पाइप सहित अन्य कारणों से लागत बढ़ने के कारण काम बंद हो गया। ऐसी योजनाओं के रिवाइज स्टीमेट बनाकर दोबारा से बजट की मंजूरी के लिए शासन को भेजी हैं। इस वजह से यह योजनाएं अभी भी पूर्ण नहीं हो सकी है। वहीं विभाग के अनुसार 15-16 नलजल योजनाएं अभी बंद है। जिसके पीछे कारण जलस्रोत सूखना बताया जा रहा है। हालांकि इन गांवों में भी पीएचई विभाग द्वारा नलजल योजना को पुनः शुरू किये जाने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा जो हैंडपंप खराब थे, उनका भी सुधार कार्य कर चालू किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पानी के लिए दूरी तय न करना पड़े।

रिवाइज स्टीमेट मंजूरी के लिए शासन को भेजा- पीएचई विभाग द्वारा जिले की 226 नलजल योजनाओं को रिवाइस के लिए भेजा है, जबकि विभाग के अनुसार 732 नलजल योजनाएं चालू है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीएचई विभाग द्वारा योजनाओं के रिवाइज स्टीमेट तैयार कर शासन को मंजूरी के लिए भेजे गए हैं। करीब 226 नलजल योजनाओं को रिवाइज किया गया है। स्टीमेट रिवाइज किए जाने से योजना की लागत बढ़ गई है। हालांकि शासन ने अभी तक रिवाइज स्टीमेट को लेकर कोई बजट जारी नहीं किया है। ऐसी स्थिति में अधूरी योजनाओं का काम अभी तक पूर्ण नहीं हो सका है। वहीं कुछ क्षेत्रों में योजनाएं शुरू हो चुकी हैं, लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से काम अधूरा पड़ा है।

योजना के रिवाइज के पीछे कई कारण- पीएचई विभाग द्वारा नलजल योजना के रिवाइज को लेकर कई अलग-अलग कारण भी गिनाए जा रहे हैं। मसलन गांव में योजना 2018 में स्वीकृत हुई थी। जिसके तीन साल बाद योजना पर काम शुरू हुआ तो गांवों में घरों की संख्या बढ़ गई। स्त्रोत फेल होने की वजह से बोर खनन दोबारा कराना पड़ा, जगह बदले जाने से लागत बढ़ गई, बिजली कनेक्शन के लिए पोल की दूरी अधिक होने सहित कई समस्याएं काम के दौरान सामने आई। जिसकी वजह से प्रस्तावित लागत से अधिक योजना पर खर्च आ गया। इस वजह से काम शुरू होने के बाद कई गांवों योजना का काम पूर्ण नहीं हो सका।

जलस्तर गिरने से 15-16 नलजल योजनाएं बंद

जिले में वर्तमान समय 15-16 नलजल योजनाएं बंद होना बताया जा रहा है। विभाग की माने तो जल स्त्रोत सूखने की वजह से यह योजनाएं बंद है। इस बार तेजी से जलस्तर नीचे जा रहा है। हर 15 दिन में पीएचई द्वारा जलस्तर नापा जा रहा है। जिसमें जिले का जलस्तर 21.8 मीटर पर दर्ज किया है। जिसके कारण नलजल योजनाएं जल्द ही दम तोड़ रही है या नलों में कम समय तक ही पानी आ रहा है। हालांकि इन योजनाओं को पुनः चालू करने के लिए विभाग द्वारा जलस्त्रोतों की तलाश कर बोर खनन करने की तैयारी की जा रही है। जलस्त्रोत मिलते ही बोर खनन कर इन नलजल योजनाओं को भी पुनः चालू कर दिया जायेगा। जिले में जमीनी जलस्तर भी लगातार नीचे जा रहा है।

इनका कहना है -

जिले में 1096 नलजल योजनाएं स्वीकृत है। जिसमें से 732 योजनाएं पूर्ण हो चुकी है और चालू है, वहीं 226 योजनाओं को कुछ कारणों की वजह से रिवाइज के लिए भेजा है। जो नलजल योजनाएं जलस्तर गिरने की वजह से बंद पड़ी है, इन्हें भी शीघ्र चालू करने का प्रयास शुरू कर दिया है।

- मनोज बघेल,
ईई, पीएचई विभाग बैतूल

मोबाइल दुकान में चोरों ने लगाई सेंध, 8 लाख से अधिक के मोबाइल चोरी

पुलिस और एफएसएल की टीम जांच में जुटी

बैतूल। शहर के व्यस्तम क्षेत्र कोठीबाजार के पालिका विहार में प्रसिद्ध श्री बोथरा मोबाइल की दुकान पर चोरों ने सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात शटर तोडकर 8 लाख रुपए से अधिक के लगभग 60 मोबाइल पर हाथ साफ कर दिया है। दुकान के संचालक ने चोरी की घटना की शिकायत मंगलवार सुबह कोतवाली पुलिस में दर्ज कराई है। पुलिस, एफएसएल के आबिद अंसारी की टीम ने घटनास्थल पर पहुंच कर बारीकी से जांच शुरू कर दी है। घटना के समय दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरों पर चोरों ने कपड़े डाल दिए थे, जिसके कारण पूरी घटना कैद नहीं हो पाई हैं। श्री बोथरा मोबाइल के संचालक अमित बोथरा ने बताया कि जब सुबह वह दुकान पहुंचे, तो दुकान का शटर टूटा हुआ मिला। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। जब दुकान के अंदर जाकर देखा, तो लगभग 60 मोबाइल गायब थे, जो चोर चुराकर ले गए। श्री बोथरा ने बताया कि मोटो, नथिंग, ओप्पो, वीवो, टेक्नो, आईटेल, लावा और पोको कंपनी के मोबाइल थे और इन मोबाइल की कीमत 8 से 10 लाख रुपए के बीच आंकी गई है। श्री बोथरा ने बताया कि जब उन्होंने सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो देखा कि रात लगभग 2.40 बजे से 3.30 बजे के बीच चोरों ने दुकान का शटर तोडकर घटना को अंजाम दिया है। दुकान के अंदर घुसने के बाद इन चोरों ने सीसीटीवी कैमरे पर कपड़ा ढक दिया था। सीसीटीवी फुटेज के हिसाब से वैसे तो चोरों की संख्या चार बताई जा रही है, लेकिन दुकान के अंदर एक चोर ही घुसा था जो कि मुंह पर कपड़ा लपेटे हुए था। बाकी के चोर बाहर रैकी कर रहे थे। इस चोरी की घटना

से पूरे श् हर के व्यापारियों में बडी नाराजगी देखी जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि शहर का व्यस्ततम क्षेत्र होने के बावजूद भी चोरो के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे बेखोफ इस तरह की घटना को लगातार अंजाम दे रहे हैं। गौरतलब है कि पहले भी यहां पर चोरी की घटनाएं घटित हो चुकी हैं। पुलिस घटना की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से चोरों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। वही व्यापारी संघ ने भी एसपी से रात्रि गस्त बढ़ाने की मांग की है और लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को रोकने और चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की गुहार लगाई है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने किया फायर ब्रिगेड कर्मचारियों का सम्मान, महिला की बचाई थी जान

बैतूल/ मुलताई। मुलताई नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर एवं पार्षदों ने फायर ब्रिगेड पर तैनात कर्मचारियों का शाल श्रीफल से स्वागत किया। नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गढेकर ने बताया कि हाल ही में ग्राम महिलावाडी में आगजनी की घटना हुई थी इस आगजनी को देखकर महिला देवी बाई चोपडे बेहोश हो गई थी। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने न सिर्फ अल्प समय में जान जोखिम में डालकर इस आगजनी पर काबु पाया बल्कि मानवता का परिचय देते हुए बेहोश देवी बाई चोपड़े को एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध न होने पर तत्काल फायर ब्रिगेड वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई पहुंचकर उन्हें स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई। नगर पालिका के फायर ब्रिगेड कर्मचारियों 24 घंटे एक बड़े क्षेत्र में जान जोख्म में डालकर अपनी सेवाएं उपलब्ध कराते हैं जिसके लिए हम इन कर्मचारियों का सम्मान कर रहे हैं। फायर ब्रिगेड पर तैनात जीन कर्मचारी का सम्मान किया गया है उसमें गिरीश पीपले, भूपेंद्र राठौर, विजय बडगरे ,सुमित पुरी, दीपक अहिरवार, राहुल चंडालिया शामिल है।

दो विधानसभाओं में अपनी सेवाएं देते हैं फायर ब्रिगेड सैनिक-

मुलताई नगर पालिका फायर ब्रिगेड टीम मुलताई, अमला विधानसभा के 6 से अधिक ब्लॉकों में अपनी सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। इस फायर ब्रिगेड टीम के ज्जुम्मे एक बड़ा लंबा क्षेत्र है और इस लंबे क्षेत्र में आगजनी की घटना होने पर समय पर घटनास्थल पर पहुंचना बड़ी चुनौती होती है किंतु उसके बावजूद नगर पालिका की यह फायर टीम गर्मी के दिनों में लगभग प्रत्येक दिन और अनेक बार 1 दिन में दो से तीन अग्नि कांड की घटनाओं को नियंत्रित करते हैं जबकि इन कर्मचारियों में अधिकांश दैनिक वेतन कर्मचारी है जो छोटे से वेतनमान में जान जोखिम में डालकर क्षेत्र को अपनी सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। सम्मान कार्यक्रम के अवसर पर नगर पालिका पार्षद एवं सभापति डॉक्टर जी.ए बारस्कर, पंजाब चीकाने, पिल्लू जैन, शिल्पा शर्मा, अज्जू यादव, रितेश विश्वकर्मा, कुसुम पवार गर देशमुख एवं नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का अधिकारी गंभीरतापूर्वक निराकरण करें : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में 97 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का त्वरित निराकरण भी किया। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का अधिकारी गंभीरता पूर्वक निराकरण करें। शिकायतों के निराकरण के लिए आवेदकों को बार-बार जनसुनवाई में न आना पड़े यह सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद, डिप्टी कलेक्टर तृप्ति पटेरिया ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में भीमपुर तहसील के ग्राम जमन्या निवासी नेहरू गुलाब ने भूमि का नक्शा गलत काटे जाने संबंधी आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। आमला विकासखंड के ग्राम रमली

निवासी राकेश जगदेव ने जनसुनवाई में आवेदन देकर रोजगार दिलवाए जाने की गुहार लगाई। आवेदक ने बताया कि मनरेगा योजना में काम कर रहा था, लेकिन सरपंच द्वारा काम से निकाल दिया गया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनपद पंचायत आमला के सीईओ को प्रकरण का निराकरण कर आवेदक को रोजगार उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम कन्हवादी निवासी संतु ठाटिया ने पटवारी से भूमि का सीमांकन कराए जाने संबंधी आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने घोड़ाडोंगरी तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

संबल योजना का लाभ दिए जाने की मांग- घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम पाथाखेड़ा निवासी मनीषा खातरकर ने आवेदन के माध्यम से बताया कि सडक़ दुर्घटना में उनके पति की मृत्यु हो गई थी। संबल योजना के तहत मिलने वाली राशि उन्हें आज दिनांक तक अप्राप्त है। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। इसके अलावा जनसुनवाई में ग्राम सलैया निवासी नर्मदा प्रसाद मिश्रा ने आवासीय पट्टे की भूमि पर हुए अवैध कब्जे को दिलवाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने घोड़ाडोंगरी तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

युवा करेंगे पहल तो, मिलेगा हर समस्या का हल

बैतूल/भौंरा। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के तत्वाधान में तीन दिवसीय सामुदायिक युवा नेतृत्वकर्ता क्षमता वर्धन प्रशिक्षण जनपद शिक्षा केंद्र शाहपुर में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को समुदाय में जागरूकता फैलाने एवं छोटी-छोटी समस्याओं का आंकलन कर उन समस्याओं का हल कैसे निकाला जाए और समस्याओं को दूर करने का पहल करना तथा नेतृत्व करने में सक्षम करना था समाज के हर क्षेत्र में युवाओं की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है जो सशक्त समाज के

निर्माण में अपनी भूमिका निभाते हैं। वहीं समाज का सुनहरा भविष्य बनाने में महत्वपूर्ण योगदान भी देते हैं। तीन दिवसीय कम्युनिटी यूथ वॉलिंटियर प्रशिक्षण में युवाओं के 21वीं सदी के जीवन कौशल आधारित नई शिक्षा नीति, बाल कैबिनेट, स्कूल प्रबंधन समिति, संविधान, बाल संरक्षण, जेजे एवं पॉक्सो एक्ट,शिक्षा का अधिकार आदि विषयों पर प्रशिक्षणार्थी की समझ विकसित किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस सभी प्रशिक्षणार्थियों ने कहा कि अपने गांव को समस्या चिन्हित कर उन्हें करने का प्रयास करेंगे। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में शाहपुर विकासखंड के आस पास के गांवों से 20 युवाओं ने भाग लिया। जिसमें शाहपुर से एसआई सोना मेम ने प्रशिक्षण मे बाल संरक्षण, साइबर क्राइम, पोक्सो एक्ट अधिकार को लेकर युवाओं को जागरूक किया। प्रशिक्षण मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन से डीपीएम निष्ठा सौदावत, बीएम मीना सातनकर, विधा रैकवार द्वारा दिया गया।

डॉक्टरों की कमी और अव्यवस्थाओं से जूझ रहा आमला सिविल अस्पताल

जल्द सुधार नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन की चेतावनी, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बैतूल/आमला। सिविल अस्पताल आमला में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और व्यवस्थाओं की बदहाली को लेकर मंगलवार को जनसेवा कल्याण समिति सहित शहर की कई संस्थाओं और संगठनों ने जनपद पंचायत कार्यालय आमला में एसडीएम आमला को ज्ञापन सौंपा। लंबे समय से आमला सिविल हॉस्पिटल में डॉक्टरों और स्टाफ की भारी कमी बनी हुई है, जिससे शहरवासियों को इलाज के लिए बैतूल और अन्य शहरों में भटकना पड़ता है। जनसेवा कल्याण समिति, प्रगतिशील व्यापारी संघ, श्री महावीर हनुमान गौशाला समिति, सूर्यवंशी ढोलेवार कुंबी समाज युवा संगठन, मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ एवं संघर्ष समिति, अजाक्स संगठन, सहयोग फाउंडेशन, अधिवक्ता संघ, रेलवे रिटायर्ड पेंशनर एसोसिएशन सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सिविल हॉस्पिटल में व्यवस्थाओं में सुधार और स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने की मांग को लेकर

अपनी बात रखी। ज्ञापन में कहा गया कि कुछ वर्ष पूर्व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन कर आमला में सिविल हॉस्पिटल बनाया गया था, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीद थी। लेकिन अस्पताल में आज भी डॉक्टरों के 14 पद रिक्त पड़े हैं और मात्र आधा दर्जन डॉक्टर ही सेवाएं दे रहे हैं। आवश्यक ऑपरेटर और स्टाफ की भी भारी कमी है। स्थिति यह है कि छोटी-छोटी बीमारियों में भी मरीजों को बैतूल रेफर कर दिया जाता है। समितियों ने बताया कि सिविल हॉस्पिटल के नाम पर केवल एक बोर्ड लगा है, जबकि स्वास्थ्य सुविधाएं नाममात्र ही उपलब्ध हैं। सिटी स्कैन, एक्स-रे, एमआरआई जैसी जरूरी जांचों की व्यवस्था तक नहीं है। ज्ञापन में मांग की गई कि अस्पताल में बंद पड़ी मशीनों को शीघ्र चालू किया जाए और आवश्यक ऑपरेटर एवं डॉक्टर नियुक्त किए जाएं।

महिला रोग विशेषज्ञ की वर्षों से चली आ रही मांग को भी तत्काल पूरा करने की मांग उठाई गई। इसके साथ ही एमडी मेडिसिन डॉक्टर मुकेश वागद्रे को बार-बार अटैचमेंट के नाम पर अन्यत्र भेजे जाने पर भी सवाल उठाए गए और इस पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि अस्पताल में साइकिल और वाहन स्टैंड का ठेका निरस्त किया जाए, क्योंकि यहां उपचार के लिए आने वाले गरीब मरीजों के परिजनों से जबरन शुल्क वसूला जाता है। मुलताई हॉस्पिटल में इस तरह के स्टैंड को मानवता के आधार पर पहले ही निरस्त किया जा चुका है, आमला में भी यही कदम उठाने की मांग की गई। जनसेवा कल्याण समिति और अन्य संगठनों ने एस डी एम से निवेदन किया की यदि एक माह के भीतर अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इस मौके पर शहर के प्रबुद्धजन और संस्थाओं के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सिद्ध बाबा मंदिर पर फाग चढ़ाने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटी, सात लापता, 8 बचाए गए

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी में सिद्ध बाबा मंदिर पर फाग चढ़ाने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई। इसमें सात लोग लापता बताए जा रहे हैं। आठ को बचा लिया गया है। लापता या मरने वालों में दो लड़के, दो लड़कियां व तीन महिलाएं शामिल हैं। यह देर शाम की घटना है।

प्रशासन मौके पर पहुंच रहा है।

शिवपुरी के खनियाधाना थाना क्षेत्र स्थित माता टीला डेम में श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटी है। रजावन गांव के लोग नाव से डेम के बीच बने टापू पर स्थित सिद्ध बाबा मंदिर के दर्शन करने जा रहे थे। बीच रास्ते में नाव अचानक असंतुलित होकर पलट गई। नाव में सवार कई लोग डूबने लगे। तीन घंटे हो चुके हैं। लापता का कोई पता नहीं चला है, शव मिलना बाकी हैं।

एम.पी. ट्रांसको के 3878 आउटसोर्स कर्मियों के बनाये गये आयुष्मान कार्ड

भोपाल (नप्र)। भारत सरकार की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्य कर रहे पात्र आउटसोर्स कर्मियों के आयुष्मान कार्ड बनवाये जा रहे है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि भारत सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना का मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में प्रभावी क्रियान्वयन किया गया है। उन्होंने जानकारी दी है कि विभिन्न सब स्टेशनों और लाइन मेंटेनेन्स में कार्य करने वाले 5919 आउटसोर्स कर्मियों में से इस योजना के लिये पात्र 3878 कर्मियों के आयुष्मान कार्ड बनवाकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। सब स्टेशनों और ट्रांसमिशन लाइनों में जोखिम का कार्य करने वाले कर्मियों के लिये यह कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्वास्थ्य योजना के अतिरिक्त है। इसके अलावा आउटसोर्स कान्ट्रेक्टर्स द्वारा भी किसी बीमा कंपनी, बैंक या पोस्ट ऑफिस के माध्यम से 5 लाख का जोखिम बीमा एम.पी. ट्रांसको की शर्तों व अनुबंध के अनुसार कराया जाता है।

सड़क पर दिया पट्टा !

कब्जा हटवाने की मांग,जनसुनवाई में पहुंचे बिलकिसगंज के ग्रामीण

सीहोर (नप्र)। सड़क पर मकान बनाने के लिए पटटा जारी किए जाने का मामला सामने आया है। बिलकिसगंज ग्राम पंचायत ने गल्ला मंडी फ्रीगंज की बाउंड्री वाल के सामने वार्ड क्रमांक 16 में मौजूद सार्वजनिक सड़क की जमीन के लिए यह पटटा जारी किया है। ग्राम पंचायत पर ग्रामीणों ने साँठ-गाँठ करके पट्टा जारी करने का आरोप लगाया गया है।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम के 2 व्यक्ति मनमाने ढंग से कब्जा कर रहे है, जिसमे एक व्यक्ति द्वारा शासकीय भूमि पर तार फेंसिंग कर कब्जा कर लिया गया है और दूसरे व्यक्ति ने पंचायत से मिलकर आम रास्ते का पट्टा प्राप्त कर लिया है और उस भूमि पर उसने मुरम डाल कर मकान बना रहा है। जिसके कारण 50 घरों के

लोगों का रास्ता बाधित हो रहा है। इस रास्ते से ही गल्ला मंडी के लिए किसान गल्ला भी ले जाते है और किसान अपना अनाज भी ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से लेकर आते जाते है। गर्मी के समय पानी के टेंकरों का भी इसी रास्ते से गांव में आना जाना होता है। इस संबंध में पंचायत को अवगत कराया लेकिन आज तक कोई भी कार्रवाही संबंधितों पर नहीं की गई है। जिस कारण क्षेत्र वासियों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजन बाकली गई, नीना बाई, सिरोटी बाई, साना बाई,सम्पत बाई, शीला बाई,सुनील, अनिल कुमार, जगदीश, प्रेम सिंह, जितेंद्र सूर्यवंशी, मोर सिंह मेवाड़, आम प्रकाश, अकलेश, गम्बर सिंह, जशरथ मेवाडा, परसराम, दुलीचंद,देवनारायण, सुनार सिह, रामकुवंर बाई, कमल सिंह, मधुबाई, रामदुलारी बाई, जयराम आदि ग्रामीणों ने अवैधानिक तार फेंसिंग को हटाए जाने और शासकीय भूमि के पट्टा को निरस्त किए जाने की माँग की है। साथ ही ग्रामीणों ने सुगम यातायात के लिए रास्ता खुलवाने सहित अतिक्रमणकर्ताओं पर सख्त कार्रवाही करने की मांग की गई है।

मुख्यमंत्री ने भोपाल में 116 करोड़ की बिल्डिंग का किया लोकार्पण

● प्रथम चरण में कर्मचारियों को आवास की चाबियां सौंपी ● एमपी में 5 साल में ढाई लाख पदों पर भर्ती,सबको जल्द प्रमोशन देंगे

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में भर्तियां खोल दी हैं। 5 साल में ढाई लाख पदों पर भर्ती करेंगे। सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों से जुड़ी कई विसंगतियां दूर कर रहे हैं। पिछले साल मार्च और अक्टूबर में महंगाई भत्ता बढ़ाया।

सातवें वेतनमान का गृह भाड़ा और अन्य भत्तों को पुनरीक्षित (रिवाइज्ड) करते हुए 1 अप्रैल से भुगतान करने का फैसला लिया है। प्रमोशन के मसले भी अटके पड़े हैं। प्रयास रहेगा कि सबको पदोन्नति मिले, इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। सबको जल्द प्रमोशन देंगे।

मंगलवार शाम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में डोर कैमरे वाली पहली सरकारी बिल्डिंग का लोकार्पण किया। उन्होंने बिल्डिंग के स्ट्रक्चर की तारीफ भी की। बिल्डिंग स्मार्ट सिटी ने 116.26 करोड़ रुपए की लागत से बनाई है, जो टीटी नगर में होटल पलाश के ठीक सामने हैं।

सीएम ने कैम्पस का नाम पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखने की घोषणा भी की।

सीएम बोले- जीआईएस को लेकर अफसर घबरा रहे थे, पर हमने यहीं की मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फरवरी में ही भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कराई

है। पहले कई अधिकारी घबरा रहे थे। समिट कैसे होगी? क्योंकि यहां हुई नहीं थी। व्यवस्था भी नहीं है, लेकिन हमने भी सोच लिया कि जीआईएस होगी तो भोपाल में ही होगी। भले ही रुकने के लिए टेंट सिटी ही क्यों न बनानी पड़े। अच्छी बात रही कि प्रधानमंत्री जी ने भी भोपाल में रात गुजारी। सीएम ने बजट को लेकर कहा कि यह प्रदेश का सबसे बड़ा बजट है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 52 हजार 680 रुपए हो गई है। भोपाल को आने वाले समय में मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाएंगे। अगले 25 साल बाद भोपाल की तस्वीर ही बदल जाएगी। भोपाल देश की सबसे सुंदर और स्वच्छ राजधानी है। उन्होंने, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव और स्मार्ट सिटी सीईओ अंजू अरुण कुमार को अन्य बिल्डिंग का काम तीन-चार महीने में पूरा करने को कहा, ताकी उसका लोकार्पण कर सकें।

हर बिल्डिंग में डोर कैमरे, लिफ्ट और पार्क- भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 364 जी टाइप आवास का निर्माण किया है। इन आवासों का निर्माण 3 टावरों में किया गया है। हर टावर 13 मंजिल का है। जिन आवासों का लोकार्पण हुआ, वे प्रथम चरण में बनाए गए हैं।

निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव ने बताया कि यहां 700 आवासों का निर्माण हो रहा है। हर बिल्डिंग में दो लिफ्ट, अग्निशामक यंत्र, डोर कैमरे, पार्क, झूले भी लगाए गए हैं। 221 परिवार को पजेशन मिल चुका है। 28 परिवार ने रहना भी शुरू कर दिया है। कैम्पस में कुल 700 सरकारी फ्लैट्स का निर्माण होगा।

मध्यप्रदेश ने कृषि में किए कई नवाचार, इसलिए देश में है अव्वल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

तीन साल में 30 लाख किसानों को दे देंगे सोलर पम्प, किसानों से बिजली भी खरीदेंगे

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की उर्वर धरा में खेती-किसानी लाभ का व्यवसाय है। हमने इसी दिशा में काम किया। नई कृषि विधियों को अपनाया, कई नवाचार किए। यही कारण है कि आज मध्यप्रदेश कृषि विकास के मामले में पंजाब, हरियाणा और अन्य कई राज्यों से आगे निकलकर देश में अव्वल स्थान पर है। हम खेती-किसानी और किसान दोनों की समृद्धि के लिए प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में नेशनल डिफेंस कॉलेज की ओर से मध्यप्रदेश आए अध्ययन यात्रा दल को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि एवं सहकारिता में मध्यप्रदेश में बीते दशकों में लगातार काम हुआ है। खेती के साथ-साथ सिंचाई पर भी हमने काम किया है। वित्त वर्ष 2002-03 तक मध्यप्रदेश में मात्र 7 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित थी। आज मध्यप्रदेश की 55 लाख से अधिक कृषि हेक्टेयर भूमि को हम सिंचित क्षेत्र में लेकर आए हैं। हम किसानों को सुविधा सम्पन्न बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। अगले तीन सालों में हमारी सरकार प्रदेश के 30 लाख किसानों को न केवल सोलर पम्प देगी, वरन् उनके द्वारा उत्पादित अतिरिक्त सोलर ऊर्जा का क्रय भी करेगी। इससे किसानों को दोहरा फायदा होगा। इसके अलावा हम किसानों को मात्र 5 रूपए की राशि पर बिजली कनेक्शन भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा के मामले में भी आगे है। देश में सबसे सस्ती बिजली देने वाला प्रदेश मध्यप्रदेश है। दिल्ली मेट्रो भी मध्यप्रदेश की बिजली से चलायमान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से नेशनल डिफेंस कॉलेज (एनडीसी), नई दिल्ली द्वारा 'राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रणनीति' विषय पर आयोजित अध्ययन यात्रा के लिए मध्यप्रदेश राज्य की यात्रा के लिए आए दल ने सौजन्य भेंट की। देश के 5 मित्र देशों के प्रतिनिधि भी अध्ययन दल के साथ मध्यप्रदेश आए हैं। एनडीसी द्वारा पूरे देश के लिए ऐसे 8 अध्ययन समूह तय किए गए हैं, जिनमें से 16 सदस्यीय एक समूह मध्यप्रदेश की अध्ययन यात्रा पर है। मध्यप्रदेश आए यात्रा दल को यहां प्रदेश में 'कृषि एवं सहकारिता' अध्ययन शीर्षक दिया गया है। आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी को इस समूह को मध्यप्रदेश की अध्ययन यात्रा कराने का दायित्व मिला है।

अध्ययन यात्रा दल ने बीते दिनों मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों का फील्ड विजिट कर कृषि एवं सहकारिता क्षेत्र में हुई प्रगति का अध्ययन किया और देखा कि मध्यप्रदेश ने इन दोनों क्षेत्रों में बेहतरीन प्रगति हासिल की है। अध्ययन दल ने पाया कि सरकार की नीतियों से किसानों की समृद्धि बढ़ी है। वहीं स्व-सहायता समूहों के जरिए प्रदेश में आजीविका विकास विशेषकर महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए अभूतपूर्व काम हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश आए अध्ययन दल से परिचय प्राप्त किया और दल से आग्रह किया कि उज्जैन जरूर जाइए, महाकाल के दर्शन कीजिये और देखिये कि धार्मिक पर्यटन के मामले में म.प्र. कितने आगे बढ़ा हैं। सदियों पुराने श्री महाकाल मंदिर का विकास कर हमारी सरकार ने श्री महाकाल महालोक तैयार किया। इसमें भगवान शिव की जीवंत उपस्थिति, उनका पार्वती से विवाह, सती कथा का प्रसंग सहित उनके जीवन के सभी प्रमुख पक्षों (तांडव मंत्र में दी गई 108 मुद्राओं सहित) को जीवंत कर प्रतिमाओं के रूप में उकेरा है। श्री महाकाल महालोक हमारी आस्था है, हमारी पूंजी भी है।

अध्ययन यात्रा दल के संयोजक के रूप में नेशनल डिफेंस कॉलेज के श्री मुकेश अग्रवाल, इसी कॉलेज के श्री प्रकाश प्रवीण सिद्धार्थ सहित 16 सदस्यीय अध्ययन दल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आत्मीय चर्चा कर अपने फील्ड विजिट के जागृत अनुभव (रीयलस्टिक एक्सपीरियन्स) साझा किए। यात्रा दल के सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, यह हमने खुद देखा है। कृषि के जरिए किसानों एवं स्व-सहायता समूहों के जरिए आजीविका विकास (सहकारिता की सफलता के संदर्भ में) के लिए सरकार के प्रयास निःसंदेह प्रशंसनीय है। म.प्र. में शासन, प्रशासन की मदद से लोग खुद-ब-खुद जुड़कर अपनी आजीविका और जिंदगी की सफलता की कहानी खुद लिख रहे हैं। हमने मध्यप्रदेश में सामाजिक बदलाव (सोशल चेंज) देखा है। हम मध्यप्रदेश की सफलता से अभिभूत हैं।

बैठक में आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के संचालक श्री मुजीबुर्रहमान खान ने अध्ययन यात्रा दल के उद्देश्यों और उनके आगामी दिनों के कार्यक्रम की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल की प्रथम आर.आर.आर. (रिड्यूस, रीयूज, रीसायकिल) व्हीकल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शादी और धर्मांतरण के लिए अगवा की गई सगी बहनों को पुलिस ने छुड़ाया

बुरहानपुर/नेपानगर (नप्र)। पंचायत क्षेत्र चांदनी से बीते मंगलवार को शादी और मतांतरण के इरादे से अपहृत की गई दो सगी बहनों को नेपानगर थाना पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से छुड़ा लिया है। इनमें एक 19 वर्षीय युवती थी, जबकि एक 15 वर्षीय किशोरी शामिल थी। पुलिस आरोपित आरिफ शब्बीर निवासी बोरी और सोहेल निवासी नसीराबाद को भी गिरफ्तार कर लिया है।

दोनों बहनों का मेडिकल परीक्षण करा स्वजन को सौंप दिया गया है। आरोपितों को बुधवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। आरोपितों के खिलाफ अपहरण, जबरन शादी करने और मतांतरण की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी ज्ञानू जायसवाल ने बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है।

मंगलवार दोपहर जैसे ही सगी बहनों के अपहरण और मतांतरण की खबर फैली, हिंदूवादी संगठनों के लोग बड़ी संख्या में थाने पहुंच गए थे। वे आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। हिंदू रक्षक समिति के शंकर चौहान और समर्थकों का कहना था कि आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। आरोपितों ने पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी थी। आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद शंकर चौहान सहित अन्य लोगों ने पुलिस का आभार जताया है।

एमपी हाईकोर्ट ने कहा-

कोई भी पति पत्नी की अश्लील चैटिंग बर्दाश्त नहीं कर सकता

इंदौर (नप्र)। शादी के बाद पति और पत्नी को आजादी होती है कि वो अपने फोन पर जिससे चाहे चैटिंग करें, लेकिन इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि आप किस तरह की बातें कर रहे हैं। कोई पति यह स्वीकार नहीं करेगा कि उसकी पत्नी अपने दोस्त के साथ मोबाइल पर अश्लील चैटिंग कर रही है। अगर आपत्ति के बावजूद पति या पत्नी ऐसी बातें करना जारी रखते हैं तो यह निश्चित रूप से दूसरे साथी के लिए मानसिक क्रूरता की वजह बनेगा। इस टिप्पणी के साथ हाई कोर्ट ने कुटुंब न्यायालय के फैसले को यथावत रखते हुए अपील निरस्त कर दी।

यह है मामला

दंपती का विवाह वर्ष 2018 में हुआ था। पति का आरोप था कि विवाह के तुरंत बाद पत्नी ने उसकी मां के साथ दुर्व्यवहार शुरू कर दिया। डेढ़ माह बाद ही ससुराल छोड़कर चली गई। पति का यह आरोप भी था कि पत्नी शादी के बाद अपने पुराने प्रेमी से मोबाइल पर चैटिंग करती थी।

वॉट्सएप पर हुई बातें अश्लील थीं

दोनों की वॉट्सएप पर हुई बातें अश्लील थीं। इधर पत्नी का कहना था कि जिन पुरुष से उसकी चैटिंग होने का आरोप लगाया जा रहा है, उसका उनसे कोई संबंध नहीं है। पति ने उसका मोबाइल हैक कर लिया था और उसके खिलाफ सबूत बनाने के लिए उन दो पुरुषों को उसी ने मैसेज किए थे।

पत्नी का यह भी कहना था कि पति ने उनके फोन से चैट निकाल कर उनकी निजता के अधिकार का उल्लंघन किया है। कुटुंब न्यायालय ने फैसले में कहा था कि पत्नी के खिलाफ पति के आरोप सही हैं। इसके चलते कोर्ट ने पति की ओर से प्रस्तुत तलाक की याचिका को स्वीकार कर लिया था।

प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला संपन्न

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में देश के शीर्ष राज्यों में लाने के लिए समर्पित प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को सभी गर्भवती महिलाओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिये होटल पलाश भोपाल में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान कर फॉलोअप करें सुनिश्चित- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि गर्भवती महिलाओं में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान कर उन्हें समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा दी जाए और उनका फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाए। इससे माताओं एवं नवजात शिशुओं को सुरक्षित रखा जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गर्भस्थ भ्रूण का लिंग परीक्षण एक दंडनीय अपराध है और इसका सख्ती से पालन

सुनिश्चित किया जाए।

टीम-वर्क, समर्पित प्रयास से स्वास्थ्य मानकों में मध्यप्रदेश बनेगा अग्रणी- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि टीम वर्क, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी और एकजुट प्रयासों से मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर पहुंचाने का लक्ष्य शीघ्र पूरा होगा। मिशन संचालक एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पीसीपीएनडीटी अधिनियम, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी प्रबंधन एवं स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार को लेकर गहन मंथन किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर और विधिवत प्रदाय, समयबद्ध चिन्हाकन, नियमित जाँच और फॉलोअप सेवा से मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में सुधार के सशक्त प्रयास किये जायेंगे।कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, पीसीपीएनडीटी नोडल अधिकारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डीपीएम, विभागीय अधिकारी और सलाहकारों ने भाग लिया।

बीईओ को डिजिटल अरेस्ट करने का प्रयास

तुमको घर से उठाने के लिए कभी भी आ सकती है पुलिस टीम...

जोबट (नप्र)। खंड शिक्षा अधिकारी प्रतापसिंह डावर को डिजिटल अरेस्ट करने का मामला सामने आया है। हालांकि डावर के पुत्र और स्थानीय पुलिस की सतर्कता से वे ठगी से बच गए। मामले में पुलिस अज्ञात धोखेबाजों के खिलाफ जांच कर रही है।

मामला गत बुधवार का है। खंड शिक्षा अधिकारी डावर के मोबाइल फोन पर अज्ञात नंबर से फोन आया। सामने से कहा गया कि वह दूरसंचार विभाग से बोल रहे हैं।

सामने वाले व्यक्ति ने कहा कि आपके खिलाफ महाराष्ट्र के नासिक में पोर्न वीडियो डाउनलोड व अपलोड करने सहित करीब एक हजार करोड़ रुपये की मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज

हुआ है।

जब डावर ने कहा कि उन्होंने ऐसे किसी नंबर का इस्तेमाल नहीं किया तो सामने से आरोपित ने वाट्सएप नंबर पर आधार कार्ड के जरिये मोबाइल नंबर लेने के दस्तावेज भेज दिए।

इस पर डावर ने कहा कि मेरे आधार कार्ड का गलत उपयोग किया गया है, तो सामने वाले व्यक्ति ने कहा कि मैं तुम्हारी पुलिस थाने पर बात कराता हूं।इसके बाद एक अन्य व्यक्ति ने पुलिस अफसर बनकर डावर को धमकाया तथा कहा कि पुलिस टीम कभी भी आपको घर से उठाने के लिए आ सकती है। इसके बाद कथित पुलिस अफसर ने कहा कि मैं अपने वरिष्ठ अधिकेारी से बात कराता हूं। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति से बात कराई गई।उसने भी धमकाने वाले लहजे तथा उगाही की भाषा में बात की। इस बीच डावर की पत्नी ने अपने पुत्र को इस घटना के बारे में बताया।डावर के पुत्र ने मामला समझते ही स्थानीय पुलिस को इस बारे में सूचना कर दी। इस पर तत्काल ही जोबट पुलिस टीम डावर के घर पहुंच गई।

शिक्षा, जल, बेटी बचाओ, नशामुक्ति के नारे लेखन

सुबह सवेरे सोहागपुर। मप्र जन अभियान परिषद सोहागपुर की चयनित नवांकुर संस्था ने ग्राम गजनई को आदर्श ग्राम बनाने हेतु चयन किया गया है। जिसमें वाचनालय, जन सूचना केंद्र, संस्कार केंद्र, नर्सरी, प्रस्फुटन वाटिका, सत्य वाक्य हेतु दीवार लेखन किया जाना हैं। नवांकुर संस्था के प्रयास से सभी ग्रामीणों पात्र हितग्राही प्राथमिकता से शासकीय योजनाओं का लाभ मिल सके ऐसे प्रयास किए जाएंगे। इसी कड़ी में विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले के मार्गदर्शन में मेंट,नवांकुर के सहयोग से ग्राम गजनई में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के बीएसडब्ल्यू,एमएसडब्ल्यू छात्र, छात्राओं ने दीवार लेखन कार्य किया। जिसमें शिक्षा, जल, बेटी बचाओं, नशामुक्ति आदि के लिए संदेश लिखे

गए। इस कार्यक्रम में गजेंद्र ठाकुर, मंजु पवांर, संदेश मिश्रा एवं प्रस्फुटन से गोविन्द गढवाल, समिति सदस्य शिवानी, भूमि, शुभम, वंशिता, अभिषेक, हरिदास, आकाश आदि छात्र शामिल थे।

॥ मंदिरम् ॥

61

चौसठ योगिनी मंदिर, जबलपुर

भेड़ाघाट, जबलपुर में चौसठ योगिनी मंदिर, जिसे गोलकी मठ के नाम से भी जाना जाता है, भारत के योगिनी मंदिरों में से एक है, लेकिन इसमें सामान्य 64 के बजाय 81 मंदिर हैं। हालांकि, शिक्षाविद् इसे योग को समर्पित 64 मंदिरों में से एक के रूप में वर्गीकृत करते हैं। संख्या 81 राजघराने का प्रतीक है, जिससे पता चलता है कि एक राजा ने मंदिर की स्थापना की थी। मध्य प्रदेश के जबलपुर से लगभग 5 किमी दूर स्थित, विशाल मंदिर भेड़ाघाट (भी अनूदित भेराघाट) में नर्मदा नदी के ऊपर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। लगभग 125 फीट व्यास वाला यह मंदिर गोलाकार योगिनी मंदिरों में सबसे बड़ा है। विद्वान शमन हैटली ने इसे 'योगिनी मंदिरों में सबसे भव्य और शायद सबसे प्रसिद्ध' कहा है। इसकी गोलाकार दीवार के अंदर चारों ओर एक ढका हुआ रास्ता है जिसमें योगिनियों के लिए 81 कोठरियाँ निर्दिष्ट हैं; तीन नीचे, पश्चिम और दक्षिण-पूर्व में एक-एक, अभी भी प्रवेश द्वार के रूप में खुले हैं।

मंडला एनकाउंटर फर्जी, आदिवासी की हत्या पर कांग्रेस का विधानसभा से वॉकआउट

मंत्री ने कहा- नक्सली कनेक्शन नहीं मिला तो परिवार को देंगे एक करोड़

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आज मंगलवार को छठवां दिन था। सदन में विपक्षी सदस्यों ने मंडला नक्सली एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए कहा- पुलिस ने अपना टारगेट पूरा करने के लिए आदिवासी की हत्या की है। रिटायर्ड जज से इसकी जांच कराई जानी चाहिए।

इसके जवाब में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मंडला एनकाउंटर में नक्सली कनेक्शन नहीं मिला तो परिवार को एक करोड़ रुपए सहायता राशि दी जाएगी। दोषी अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने इस मामले में कहा कि घटना की 11 बिंदुओं पर मजिस्ट्रेट जांच चल रही है। जवानों ने पहले आत्मसमर्पण के लिए कहा था। आत्म समर्पण करने के बजाय पुलिस पार्टी पर फायरिंग की गई। इसके बाद ही जवाबी एक्शन लिया गया। मंत्री के इस जवाब पर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की, फिर कार्यवाही से वॉक आउट कर दिया।

भाजपा विधायक ने अपनी ही सरकार को घेरा, बोले-भ्रष्ट अधिकारी को बचा रहे मंत्री- सदन में बीजेपी विधायकों ने ही बिजली कटौती के मुद्दे पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को घेरा। भिंड के विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा- बिजली अधिकारी प्रदीप जैन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। इसके सबूत मैं कई बार मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री को दे चुका हूं लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सभी क्षेत्रों में पर्याप्त बिजली मिल रही है। इस पर कुशवाहा ने कहा- आप अधिकारी का लिखा जवाब पढ़ रहे हैं। प्रदीप जैन को सस्पेंड किया जाना चाहिए। इस पर मंत्री ने कहा- जैन की वरिष्ठ अधिकारियों से जांच कराएंगे।

मंत्री राजपूत ने कहा- सिंघार भ्रष्टाचार में डूबे, 20 करोड़ का मानहानि नोटिस दिया- वहीं, सदन के बाहर मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा- मैंने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के लिए 20 करोड़ का नोटिस दिया है। सिंघार भ्रष्टाचार में गले तक डूबे हुए हैं। उनसे पूछना चाहिए कि वे दो करोड़ की डिफेंडर गाड़ी में कैसे घूम रहे हैं। जिस आदमी ने हमारी सुपारी ले ली हो, हमारे नाम का टेंडर ले लिया है। वे अब लोकायुक्त नहीं जाएंगे तो टेंडर वापस ले लिया जाएगा।

इसके जवाब में सिंघार ने कहा- कांग्रेस पार्टी हर भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़ी है। ये प्रदेश की जनता का पैसा है। कोई मंत्री अगर इस प्रकार से प्रॉपर्टी बनाएगा, घोटाले करेगा तो क्या हम चुप बैठेंगे। रही बात मानहानि के नोटिस की तो हम उसका जवाब दे देंगे।

दरअसल, सोमवार को सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने लोकायुक्त से मुलाकात कर मंत्री राजपूत की जांच कराने की मांग की थी। मंत्री ने इसी पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

विपक्ष ने जो मुद्दे उठाए हैं, वे सभी जांच में शामिल- मंडला एनकाउंटर पर मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा- मामले की मजिस्ट्रियल जांच चल रही है। विपक्ष ने जो मुद्दे उठाए हैं, वे सभी जांच में शामिल हैं। कानून के हिसाब से काम हो रहा है। जांच रिपोर्ट आएगी तो विधानसभा के पटल पर रखी जाएगी। जनता के बीच भी जाएगी।

9 महीनों में सड़कों से 250 सिटी बसें गायब

भोपाल में 11 रूट पर चल रहीं 118 बसें, 1 लाख यात्री परेशान, विधानसभा में उठा मुद्दा

भोपाल (नप्र)। भोपाल की सड़कों से 9 महीने के अंदर ढाई सौ सिटी बसें गायब होने का मुद्दा विधानसभा में उठा है। 25 रूट पर चलने वाली 368 बसों में से अभी सिर्फ 11 रूट पर 118 बसें ही दौड़ रही हैं। ऐसे में महिला, स्टूडेंट्स और नौकरीपेशा लोगों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। हर रोज करीब 1 लाख लोग परेशान हो रहे हैं।

दरअसल टिकट कलेक्शन पर विवाद, पेनल्टी और हाईकोर्ट में याचिका दायर होने से ऑपरेटर्स ने इन बसों का संचालन बंद कर दिया। इस पर हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने विधानसभा में तारांकित प्रश्न लगाया था। इसके बाद सोमवार को जवाब मिला। अधिकारियों और ऑपरेटरों की साठगांठ की बात पर पर नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जांच कराए जाने की बात कही है।

दूसरी एजेंसियां भी बंद कर रही बसें

मां एसोसिएट्स ने सभी बसों का संचालन बंद कर दिया। तीन अन्य एजेंसी- एपी मोटर्स, श्री दुर्गांबा और आई मोबिलिटी भी इसी राह पर है। इसकी वजह बताते हुए श्री दुर्गांबा एजेंसी के संचालक प्रिंस जोसेफ ने कहा बीसीएलएल के अधिकारियों से लंबे समय से मांग कर रहे थे कि दूसरे रूट पर बसों का संचालन करने दिया जाए, क्योंकि उन्हें पुराने रूट पर घाटा हो रहा है। बावजूद जिम्मेदारों ने कोई रिस्पांस नहीं दिया। दूसरी ओर, आरटीओ से 1 करोड़ रुपए की पेनल्टी भी लगा दी गई, लेकिन बीसीएलएल ने हाईकोर्ट में हमारी तरफ से पक्ष ही नहीं रखा। इस कारण रूट से बसों का संचालन बंद हो रहा है। अप्रैल-मई में 39 बसों का संचालन भी बंद कर देंगे। दोनों रूट का एग्रीमेंट का समय इतना ही है। एग्रीमेंट बढ़ाने के लिए भी बीसीएलएल ने कोई पहल नहीं की।

बीसीएलएल के जरिए 4 एजेंसी कर रही थीं संचालन

भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में सिटी बसों का संचालन (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) के जरिए 4 एजेंसी कर रही थी। इनमें मां एसोसिएट्स, एपी मोटर्स, श्री दुर्गांबा और आई-मोबिलिटी एजेंसी शामिल हैं। ये एजेंसियां 25 रूट पर बसें चला रही थी। इनमें से सबसे पहले पिछले साल 4 जुलाई को मां एसोसिएट्स ने 149 बसों का संचालन बंद किया था।

इसकी वजह इन बसों में टिकिट कलेक्शन करने वाली एजेंसी 'चलो एप' की ओर से प्रति किमी दी जाने वाली राशि घटाने की मांग है, लेकिन बीते नौ महीने से बीसीएलएल और निगम के जिम्मेदार इस समस्या का समाधान नहीं? निकाल पाए। ऐसे में इन बसों में रोजाना सफर करने वाले यात्री परेशान हैं। मामला तब और उलझ गया, जब बीसीएलएल की ओर से नई टिकिट कलेक्शन एजेंसी हायर करने के लिए टेंडर जारी कर दिया। इस मुद्दे पर मां एसोसिएट्स की तरफ से भी हाईकोर्ट में याचिका लगा दी गई। नतीजतन बसों का संचालन पूरी तरह से बंद हो गया।

रायसेन जिला अस्पताल के गेट पर महिला की डिलीवरी

रायसेन (नप्र)। रायसेन जिला अस्पताल में बड़ी लापरवाही सामने आई है। सोमवार को एक गर्भवती महिला को जननी एम्बुलेंस से अस्पताल लाया गया, लेकिन गेट पर ही उसकी डिलीवरी हो गई। इस दौरान नवजात बच्चा जमीन पर गिर गया। इसका वीडियो मंगलवार को सामने आया, जिसके बाद परिजन ने स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

अस्पताल के गेट पर भी कोई अटेंडर मौजूद नहीं था- जानकारी के मुताबिक ग्राम कमका कुरार निवासी रेखा को प्रसव पीड़ा होने पर जननी एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल लाया गया था। उनके पति नेपाल सिंह अस्पताल में पर्चा बनवाने गए थे, लेकिन एम्बुलेंस में ड्राइवर के अलावा कोई सहयोगी स्वास्थ्यकर्मी नहीं था।

अस्पताल के गेट पर भी कोई अटेंडर नहीं था। इसी दौरान महिला की डिलीवरी हो गई और नवजात शिशु जमीन पर गिर गया। किस्मत से बच्चे को कोई गंभीर चोट नहीं आई। इससे महिला के पति नेपाल सिंह ने नाराजगी जताई।

प्रभारी सिविल सर्जन बोले- एम्बुलेंस में असिस्टेंट नहीं- इस मामले में जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. दीपक गुप्ता ने सफाई देते हुए कहा कि जननी एक्सप्रेस में हेल्थ असिस्टेंट की कोई व्यवस्था नहीं होती। आमतौर पर प्रसूता के साथ परिजन और आशा कार्यकर्ता होते हैं। जबकि एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस में हेल्थ असिस्टेंट की सुविधा होती है। उन्होंने कहा कि वे शासन से इस व्यवस्था में सुधार की मांग करेंगे।

स्वच्छता को संस्कार बनाकर मिलती है सफलता

नगरीय निकायों में स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने के प्रयास

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों में हर साल की तरह स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 शुरू हो चुका है। इस साल इसमें देश के 4900 से अधिक शहर स्वच्छता में श्रेष्ठता की दावेदारी प्रस्तुत कर रहे हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण मुख्य रूप से जमीनी स्वच्छता के साथ शहरों के स्वच्छता प्रमाणीकरण के लिए किया जा रहा है। प्रमाणीकरण में खुले में शौच से मुक्ति के लिए ओडीएफ, जल के पुन- उपयोग के लिए वॉटर प्लस और कचरा मुक्ति हेतु स्टार रेटिंग प्रमुख हैं।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगरीय निकायों की टीम साल भर काम करती हैं। इसमें नियमित रूप से सफाई के अलावा, कचरा संग्रह, प्र-संस्करण, अधोसंरचना विस्तार, रख-रखाव और शहरों का सौंदर्यीकरण शामिल हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हस्तक्षेप से आज यह देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन बन गया है। हर शहर को इसमें शामिल होना और अपनी रैंकिंग में सुधार करना गौरव का अनुभव कराता है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने स्वच्छ सर्वेक्षण के संबंध में मैदानी अमले को निर्देश भी जारी किये हैं।

वर्ष-2024 का स्वच्छ सर्वेक्षण अब तक का 9वां सर्वेक्षण है, जिसकी प्रमुख थीम 3-आर (रिसाइकल, रिड्यूस, रियूज) पर आधारित है। इसके प्रारंभ होने से मध्यप्रदेश ने देश के स्वच्छता परिदृश्य में अपनी बढ़त बना ली थी। अपने नियमित योगदान से मध्यप्रदेश शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। वर्ष 2022 में मध्यप्रदेश को देश के सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ प्रदेश का सम्मान प्राप्त हुआ एवं वर्ष 2023 में यह नजदीकी मुकाबले में देश के दूसरे नंबर का बेहतर राज्य घोषित किया गया। मध्यप्रदेश का शहर इंदौर लगातार सात सालों से देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है। वर्ष 2024 में इसे सुपर लीग श्रेणी में शामिल किया गया है। इस वर्ष मध्यप्रदेश के सभी शहर इसमें अपनी दावेदारी कर रहे हैं। प्रदेश के सभी शहरों ने स्टार रेटिंग, ओडीएफ डबल प्लस के लिए अपना दावा किया है। इसके अलावा 44 शहरों ने वॉटर प्लस के लिए अपनी दावेदारी की है। हर शहर स्वच्छता के मापदंडों पर सफाई, संग्रहण, कचरा निपटान, प्रोसेसिंग आदि पर पूरा ध्यान दे रहा है। आज प्रदेश में लगभग 6700 टन कचरा प्रतिदिन संग्रह किया जाता है। इसके लिए 7500 से अधिक कचरा वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इस संग्रहित कचरे की प्रोसेसिंग के लिए हर छोटे-बड़े शहर में कम्पोस्टिंग इकाइयां, मटेरियल रिकवरी फैसिलिटीज, निर्माण अपशिष्ट प्रबंधन इकाई और मल-जल निस्तारण के लिये एफएसटीपी उपलब्ध हैं।

प्रदेश के बड़े शहरों में कचरा प्रोसेसिंग के लिए अत्याधुनिक इकाइयों की स्थापना की गई है। इसमें जबलपुर और रीवा में कचरे से बिजली, सागर व कटनी में कम्पोस्टिंग, के साथ इंदौर में कचरे से बॉयो सीएनजी निर्माण की इकाइयां लगाई जा चुकी हैं। इसके अलावा भोपाल में कपड़ा, थर्माकोल, प्लास्टिक, निर्माण के साथ मांसाहारी बाजारों से आने वाले कचरे के निपटान के लिए व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रदेश में आज 700 से अधिक रिसाइकल, रिड्युज और रियूज़ (आरआरआर) केंद्र संचालित हैं। प्रदेश में एक लाख से कम जनसंख्या के शहरों में मल-जल प्रबंधन व्यवस्थाओं को तैयार करने के लिए कार्यवाही की जा रही है। इसके अंतर्गत जिन शहरों में सीवेज लाइन नहीं हैं, वहाँ नालियों को आपस में जोड़कर उन्हें एसटीपी तक ले जाने का कार्य किया जा रहा है।

भोपाल की नई कलेक्टर गाइडलाइन का विरोध

प्रभारी मंत्री-विधायकों से मिले क्रेडाई सदस्य; बोले- यह जनता पर बोझ डालेगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में नई कलेक्टर गाइडलाइन दरों में प्रस्तावित बढ़ोतरी का विरोध मंगलवार को भी जारी रहा। क्रेडाई सदस्यों ने प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप, मंत्री कृष्णा गौर और विधायक भगवानदास सबनानी से मुलाकात की। कहा कि यह प्रस्ताव जनता पर बोझ डालेगा। इसलिए गाइडलाइन पर रोक लगाई जाए।

प्रभारी मंत्री काश्यप एवं जिला मूल्यांकन समिति के सदस्य सबनानी ने गाइडलाइन दरों की मूल्यांकन प्रणाली की पारदर्शिता, वर्षवार दरों और उपबंधों के क्लीन डेटा एक्सेस, स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा विश्लेषण की मांग को उचित बताया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित कर समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया।

बैठक कर मंथन किया

प्रभारी मंत्री और विधायक के साथ क्रेडाई सदस्यों ने बैठक की। इस दौरान गाइडलाइन दरों की समीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने पर सहमति जताई गई। साल 2005 से 2025 तक के गाइडलाइन डेटा को सार्वजनिक करने की मांग उचित मानी गई। गाइडलाइन दरों की अनियंत्रित वृद्धि के प्रभावों का विश्लेषण स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति से कराने का सुझाव दिया गया। वहीं, वर्तमान वृद्धि की समीक्षा करने और लोकहितकारी समाधान निकालने पर सहमति बनी।

प्रेमी के लिए पति को 38 लाख का चूना

लग्जरी कार खरीदी और मकान बनवाया, पुलिस ने जब्त की कार; महिला बोली- अहसान चुकाना था

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में एक महिला ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर ससुराल वालों को लाखों रुपए का चूना लगा दिया। इतना ही नहीं उसने अपने घर में असली सोने के जेवर गायब कर उनकी जगह नकली रख दिए। ससुरालों वालों की शिकायत पर जबलपुर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर करीब 460 ग्राम सोना बरामद कर लिया है। हालांकि, नौकरी के नाम पर उसके बॉयफ्रेंड को दिए गए 38 लाख रुपए की रिकवरी अभी तक पुलिस नहीं कर पाई है।

जांच के दौरान पता चला कि युवती ने उन पैसों से अपने बॉयफ्रेंड के लिए लग्जरी कार खरीदी थी। कुछ पैसे उसके मकान बनवाने में लगा दिए थे। खास बात यह है कि महिला ने इस पूरी ठगी को इसलिए अंजाम दिया कि उसे अपने बॉयफ्रेंड का अहसान चुकाना था।

पूजा दुबे, आरोपी महिला

आकाश नेमा, आरोपी बॉयफ्रेंड

पति बोला- ऐसा खेल रचा कि 38 लाख देने पड़े- जबलपुर के राइट टाउन के रहने वाले आदित्य मिश्रा ने 20 फरवरी 2025 को मदन महल थाने में पत्नी पूजा दुबे और उसके बॉयफ्रेंड आकाश नेमा के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। बताया कि दोनों ने सरकारी नौकरी के नाम पर ऐसा खेल रचा कि न चाहते हुए भी 38 लाख रुपए देने पड़े। पूजा ने अपने ससुराल वालों पर दबाव बनाया कि उसे नौकरी करनी है जो कि शिक्षा विभाग में लग रही है। पूजा ने पति आदित्य की पटवारी की नौकरी लगवाने के लिए भी पैसे ससुराल वालों से लेकर आकाश नेमा को दिए थे। कहा था कि इसकी भोपाल में बड़े अधिकारियों और मंत्री से पहचान है। दोनों की नौकरी आसानी से लगवा देगा। न चाहते हुए भी आदित्य ने नौकरी के नाम पर उसे रुपए दे दिए।

बॉयफ्रेंड को कहती थी मुंहबोला भाई- सिवनी जिले के धूमा में रहने वाले रूद्र प्रताप मिश्रा जबलपुर में राजस्व निरीक्षक के पद से रिटायर्ड हुए थे। 2021 में उन्होंने इकलौते बेटे आदित्य मिश्रा की शादी नरसिंहपुर निवासी पूजा दुबे से कराई। शादी के कुछ माह तक सबकुछ ठीक था। इसके बाद पूजा के बॉयफ्रेंड आकाश नेमा का घर आना-जाना शुरू हो गया।

पूजा उसे अपना मुंहबोला भाई बताती थी। पूजा ने पति और ससुर को बताया कि उसे सरकारी नौकरी करनी है और आकाश की अधिकारियों से अच्छी पहचान है। वह उसकी शिक्षा विभाग में नौकरी लगवा देगा। इतना ही नहीं पति आदित्य की भी पटवारी की नौकरी लगवाने की बात आकाश ने कही है। हालांकि, ससुर रूद्र प्रताप ने पैसे देने से मना कर दिया। इसके बाद पूजा ने पति आदित्य को मना लिया।

ऐसे पता चली लुटेरी बहू की करतूत

नवंबर 2024 में रूद्र प्रताप को किसी काम के लिए गोल्ड लोन लेना था। वे पत्नी के जेवरात लेकर एसबीआई बैंक पहुंचे। चेक करने पर पता चला कि यह सोना नकली है। इतना सुनते ही रूद्र प्रताप के होश उड़ गए वे तुरंत घर आए और बहू पूजा से उसके जेवर मांगे। बहू ने आनाकानी करते हुए कहा कि जेवर मायके में रखे हुए हैं। आदित्य ने अपने ससुर राजेंद्र दुबे को इस पूरे मामले की जानकारी दी तो वह भी जबलपुर पहुंच गए, विवाद न बढ़े इसलिए पूजा को पिता के साथ नरसिंहपुर भेज दिया। आदित्य ने पिता रुद्र प्रताप को बताया कि पूजा ने नौकरी के नाम पर उससे अभी तक 38 लाख रुपए लिए हैं। इसके बाद पिता-पुत्र ने अपने साथ हुए धोखे की शिकायत मदन महल थाने में दर्ज करवाई थी।

मास्टरमाइंड पूजा की थी चाल

आदित्य से शादी करने के बाद से ही पूजा ने अपना दिमाग चलाना शुरू कर दिया था। एक तरफ उसने सरकारी नौकरी के नाम पर पति आदित्य से धीरे-धीरे कर लाखों रुपए ऐंठ लिए, तो दूसरी ओर वह घर पर रखे सोने के जेवरात पर भी नजर गड़ाए हुए थी। पूजा ने घर पर रखे असली जेवरात की फोटो लेकर आकाश को भेजी थी। दोनों ने मिलकर हूबहू वैसे ही नकली जेवरात बनाए जो कि घर पर रखे थे।

जेब में रखा मोबाइल फटा, प्राइवेट पार्ट डैमेज हुआ

युवक ने रेडमी कंपनी का पुराना मोबाइल खरीदा था

सारंगपुर (नप्र)। राजगढ़ के सारंगपुर में एक युवक की जेब में मोबाइल फट गया। इस दौरान वह बाइक चला रहा था। ब्लास्ट होते ही संतुलन बिगड़ा और युवक हाईवे पर गिर गया। जेब में मोबाइल ब्लास्ट होने से उसके टेस्टिकल्स (अंडकोष) फट गए।

जानकारी के मुताबिक, पानीपुरी का ठेला लगाने वाला 19 साल

का अरविंद सब्जी मंडी गया था। वह बाइक से नैनवाड़ा गांव लौट रहा था। टोल टैक्स के पास अचानक उसकी पेंट की जेब में रखा मोबाइल फट गया, वह नीचे गिर गया। अरविंद के प्राइवेट पार्ट बुरी तरह से जख्मी हो गए। सड़क पर गिरने से उसके सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

घायल के भाई ने डॉक्टरों को बताया कि अरविंद ने हाल ही में रेडमी कंपनी का पुराना मोबाइल खरीदा था। रात भर चार्जिंग पर लगा रहने के बाद उसे जेब में रखकर सब्जी खरीदने गया था। एक घंटे बाद लौटते समय हादसा हो गया।

युवक की हालत अब खतरे से बाहर

हादसे के बाद राहगीरों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर उसे सारंगपुर सिविल अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे शाजापुर के अस्पताल भेज दिया गया। सारंगपुर के डॉ. नयन नागर ने बताया कि युवक के अंडकोष फट गए हैं।

हालांकि वह खतरे से बाहर है। थाना प्रभारी शकुंतला बामनिया ने बताया कि अभी उनके पास लिखित में कोई शिकायत नहीं आई है। सूचना मिलती है तो जांच की जाएगी।